हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 19 ■ अंक: 20 ■ नई दिल्ली 13 से 19 मार्च 2026 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

इंडस्ट्री के लोग समझते थे नीता : जरीन खान

साउथ पार्स हमले के बाद ट्रंप की ईरान को कड़ी चेतावनी

कतर पर दोबारा हमला हुआ तो पूरी गैस फील्ड उड़ा देंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। इजरायल द्वारा बुधवार रात ईरान के एक महत्वपूर्ण गैस केंद्र 'साउथ पार्स गैस फील्ड' पर हमला करने पर जवाबी हमले में ईरान ने कतर में एक प्रमुख एलएनजी सुविधा पर जवाबी हमला करने पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान की चेतावनी दी कि अगर कतर पर दोबारा हमला हुआ तो वे उसका पूरी गैस फील्ड को उड़ा देंगे जो ईरान ने कभी सोचा नहीं होगा।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने कतर के रास लाफान औद्योगिक क्षेत्र सहित पड़ोसी देशों के ऊर्जा केंद्रों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किये, जिससे वहां की एलएनजी सुविधाओं को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने साउथ पार्स गैस फील्ड पर इजरायल के हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि पश्चिमी एशिया में जो कुछ भी हुआ है, उससे 'गुस्से में आकर' इजरायल ने हिंसक तरीके से ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर हिंसक हमला किया है। श्री ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि पूरे क्षेत्र का अपेक्षाकृत छोटा हिस्सा ही प्रभावित हुआ है।

हैरानी की बात यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका को इस हमले का पता नहीं था, न उन्हें इसका अंदाजा था कि ऐसा कुछ होने वाला है। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि और कतर भी इसमें शामिल नहीं था। मगर यह भी जोड़ा कि ईरान का कतर की एलएनजी गैस सुविधा के एक हिस्से पर हमला अनुचित और अन्यायपूर्ण था।

उन्होंने आश्वासन दिया कि इस अत्यंत महत्वपूर्ण और बहुमूल्य साउथ पार्स फील्ड में इजरायल अब कोई और हमले नहीं करेगा, हालांकि यह भी चेतावनी दी कि जब तक ईरान ह्यमूर्खतापूर्ण ढंग से बेहद निर्दोष देश कतर पर हमला करने का फैसला नहीं करता। अगर ईरान ऐसा करता है तो अमेरिका, इजरायल की मदद या सहमति के बिना या उसके साथ पूरे साउथ पार्स गैस फील्ड को इतनी ताकत और शक्ति से उड़ा देगा जैसा ईरान ने पहले कभी नहीं देखा होगा।

गौरतलब है कि दुनिया का सबसे बड़ा गैस क्षेत्र ह्यपार्स गैस फील्ड दक्षिणी ईरान के बुशहर प्रांत के तट पर स्थित है।

ईरान की तस्नीम समाचार एजेंसी ने देश के पेट्रोलियम मंत्रालय के हवाले से कहा कि कई सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है लेकिन फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और गैस क्षेत्र में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। सूत्रों के हवाले से इजरायली मीडिया ने खबर दी है कि देश की वायुसेना ने इस हमले को अंजाम दिया। साउथ पार्स फील्ड (जिसे कतर के साथ साझा किया जाता है और वहां इसे नॉर्थ फील्ड के नाम से जाना जाता है) दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस क्षेत्र है। यह ईरान के कुल गैस उत्पादन का लगभग 70-75 प्रतिशत हिस्सा प्रदान करता है। इस क्षेत्र से निकलने वाली प्राकृतिक गैस ईरान के राष्ट्रीय पावर ग्रिड के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से को ऊर्जा देती है। यह ईरान के विशाल पेट्रोकेमिकल और गैसोलीन उत्पादन उद्योगों के लिए कच्चे माल का प्राथमिक स्रोत है।

भारी प्रतिबंधों के बीच, यह क्षेत्र घरेलू हीटिंग, खाना पकाने और औद्योगिक कार्यों के लिए अनिवार्य ह्यऊर्जा की जीवनरेखाह्ल है। हालांकि ईरान के हिस्से का अधिकांश उपयोग घरेलू है, लेकिन कतर (जो कि दुनिया का शीर्ष एलएनजी निर्यातक है) से साझा होने के कारण इसमें किसी भी तरह के व्यवधान से वैश्विक ऊर्जा कीमतों में तत्काल उछाल आता है।

इस हमले के तत्काल क्षेत्रीय और वैश्विक नतीजे सामने आये हैं। शुरूआती रिपोर्टों के अनुसार, असालुयेह के पास प्रसंस्करण सुविधाओं में आग लग गयी है और प्रतिदिन 1.2 करोड़ घन मीटर उत्पादन करने वाले कम से कम एक अपतटीय प्लेटफॉर्म का संचालन निलंबित कर दिया गया है।

12 अरब और इस्लामिक देशों के विदेश मंत्रियों ने ईरान से हमले रोकने की अपील की

नई दिल्ली। इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग के बीच कई देशों की हवा बारूद के धुएं से भर गई। इजरायल की ओर से ईरान के सबसे बड़े गैस प्लांट साउथ पार्स फील्ड पर हमले के बाद ईरान ने कतर और संयुक्त अरब अमीरात के गैस प्लांट पर हमला कर दिया। इस बीच 12 अरब और इस्लामिक देशों के विदेश मंत्रियों ने ईरान के इस हमले की निंदा की और इन्हें तुरंत रोककर अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने को कहा। सऊदी की राजधानी रियाद में गुरुवार को हुई मीटिंग के बाद जारी एक संयुक्त बयान में 12 अरब और इस्लामिक देशों के विदेश मंत्रियों ने ईरान से हमले तुरंत रोकने और अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने को कहा। यह बयान अजरबैजान, बहरीन, मिस्र, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, सीरिया, तुर्किए और संयुक्त अरब अमीरात के मंत्रियों की ओर से जारी किया गया था। बयान में, मंत्रियों ने खाड़ी देशों-जॉर्डन, अजरबैजान और तुर्किए पर हमलों की निंदा की।

चीन में भारत के राजदूत नियुक्त हुए विक्रम दोराईस्वामी, कई देशों में संभाल चुके हैं जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। 1992 बैच के आईएफएस अधिकारी विक्रम दोराईस्वामी को चीन में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। गुरुवार को विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी में बताया गया कि विक्रम दोराईस्वामी अभी ब्रिटेन में भारत के हाई कमिश्नर हैं और उन्हें चीन में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। उम्मीद है कि वह जल्द ही यह काम संभाल लेंगे।

दोराईस्वामी 1992 में भारतीय विदेश सेवा में शामिल हुए। उससे पहले, उन्होंने एक साल तक पत्रकारिता की। विदेश मंत्रालय के मुताबिक उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से इतिहास में मास्टर डिग्री ली।

1992-1993 में नई दिल्ली में अपनी इन-सर्विस ट्रेनिंग पूरी करने के बाद दोराईस्वामी मई 1994 में हांगकांग में भारतीय दूतावास में थर्ड सचिव नियुक्त हुए। उन्होंने हांगकांग के चीनी विश्वविद्यालय के न्यू एशिया येल-इन-एशिया लैंग्वेज स्कूल से चीनी भाषा में डिप्लोमा पूरा किया।

सितंबर 1996 में उन्हें बीजिंग में भारतीय दूतावास में नियुक्त किया गया, जहां उन्होंने लगभग चार साल तक जिम्मेदारी संभाली। फिर 2000 में नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय में लौटने पर, दोराईस्वामी ने डिप्टी चीफ ऑफ प्रोटोकॉल (ऑफिशियल) नियुक्त की भूमिका निभाई। दो साल बाद उन्हें प्रधानमंत्री के ऑफिस में प्रमोट किया गया। बाद में उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री के निजी सचिव के तौर पर काम किया।

2006 में दोराईस्वामी ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में राजनीतिक सलाहकार के तौर पर और अक्टूबर 2009 में जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) में भारत के महावाणिज्य दूत के तौर पर कार्यभार संभाला।

जुलाई 2011 में दोराईस्वामी नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय में वापस आ गए, जहां उन्होंने साउथ एशियन एसोसिएशन फॉर रीजनल कोऑपरेशन (एसएएआरसी) विभाग का नेतृत्व किया। इस दौरान वे मार्च 2012 में नई दिल्ली में चौथे ब्रिक्स समिट के कोऑर्डिनेटर भी थे। फिर अक्टूबर 2012 से अक्टूबर 2014 तक दोराईस्वामी विदेश मंत्रालय के अमेरिकी विभाग में संयुक्त सचिव थे। अप्रैल 2015 में कोरिया में भारत के राजदूत नियुक्त होने से पहले वे अक्टूबर 2014 में उज्बेकिस्तान में भारत के राजदूत बने।

इसके बाद जुलाई 2018 में हेडक्वार्टर लौट आए और बांग्लादेश व म्यांमार विभाग के प्रमुख के तौर पर काम किया। अप्रैल 2019 में उन्हें हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए विदेश मंत्रालय में एक नया विभाग बनाने का काम सौंपा गया। दिसंबर 2019 में प्रमोशन के बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय संगठन और समिट के लिए अतिरिक्त सचिव बनाया गया।

ब्रिटेन से पहले उन्होंने 5 अक्टूबर 2020 को बांग्लादेश में भारतीय हाई कमिश्नर का पद संभाला था। विक्रम दोराईस्वामी चीनी, फ्रेंच और कोरियन भाषा बोलने में काफी सहज हैं।

एक नजर

खरगे-प्रियंका ने दी नवरात्र महापर्व की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने चैत्र नवरात्र महापर्व पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। श्री खरगे गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'शक्ति स्वरूपा माँ दुर्गा की आराधना के महापर्व 'चैत्र नवरात्र' स्थापना के शुभ अवसर पर सभी को हार्दिक मंगलकामनाएं। मेरी आशा है कि यह पावन महापर्व आप सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए तथा आदिशक्ति की कृपा सदैव आप सब पर बनी रहे।ह्व श्रीमती वाड्रा ने कहा, ह्वआदिशक्ति जगतजननी मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना के पावन पर्व चैत्र नवरात्र की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। माता रानी आप सबके जीवन में सुख-समृद्धि का संचार करें।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम हुआ तूफानी, आईएमडी ने ऑरेंज अलर्ट किया जारी

नई दिल्ली। दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में गुरुवार को बादल छाए हुए हैं और तापमान लगभग 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। इससे पहले धूल भरी आंधी, गरज, बिजली और बारिश के कारण लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विज्ञान विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बारिश और तेज हवाओं ने दिल्ली-एनसीआर में जनजीवन को बाधित किया है और बिजली नेटवर्क को भी प्रभावित किया है। शुक्रवार तक मौसम की ऐसी ही स्थिति बने रहने का अनुमान है। बुधवार शाम खराब मौसम के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से कम से कम 16 उड़ानों को अन्य शहरों की ओर मोड़ दिया गया। स्थानीय लोगों को घर में रहने और खिड़कियों, बिजली के खंभों और बिजली की तारों के पास खड़े होने से बचने की सलाह दी गई है।

अदालत ने दस्तावेज मांगने संबंधी लालू की याचिका खारिज की

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित रूप से 'जमीन लेकर नौकरी देने' के मामले के अपनी दलीलें तैयार करने के लिए 1,600 से अधिक 'अनरिलायड' दस्तावेज उपलब्ध कराने का अनुरोध करने वाली पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी की याचिकाएं खारिज कर दीं। 'अनरिलायड' दस्तावेज वे सामग्री होती हैं जिन्हें जांच एजेंसियां जब्त तो करती हैं लेकिन अभियोजन पक्ष की शिकायत में उन पर भरोसा नहीं करतीं। अदालत ने कहा कि इन याचिकाओं का उद्देश्य मुकदमे को शुरूआत में ही पेचीदगियों की भूलभुलैया में धकेलना है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि इन दस्तावेजों को एकमुश्त उपलब्ध कराना न केवल उलटी गंगा बहाने जैसा होगा, बल्कि यह न्यायिक प्रक्रिया को भी पूरी तरह अव्यवस्थित कर देगा। उन्होंने दो अन्य आरोपियों- लालू प्रसाद के निजी सचिव (पीएस) आर के महाजन और रेलवे के पूर्व महाप्रबंधक महीप कपूर की याचिकाएं भी खारिज की दीं। महाजन ने एक अनरिलायड दस्तावेज और कपूर ने ऐसे 23 दस्तावेज उपलब्ध कराए जाने का अनुरोध किया था।

भाजपा ने उपचुनाव के लिए पांच उम्मीदवारों की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने विभिन्न राज्यों की विधानसभा उपचुनाव 2026 के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है। भाजपा ने गोवा की एक, नागालैंड की एक, कर्नाटक की 2 और त्रिपुरा की एक विधानसभा सीट से उम्मीदवार घोषित किए हैं।

भाजपा की केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक नितिन नवीन की अध्यक्षता में बुधवार को हुई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह एवं केन्द्रीय चुनाव समिति के अन्य सभी सदस्य उपस्थित रहे। केन्द्रीय चुनाव समिति ने विभिन्न प्रदेशों में होने वाले विधानसभा उप-चुनाव 2026 के लिए उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगाई। इसके बाद भाजपा की ओर से उम्मीदवारों की सूची जारी की गई।

भाजपा ने गोवा की पोंडा विधानसभा सीट से रितेश रवि नायक को उम्मीदवार बनाया है। नागालैंड की कोरिडांग (आरक्षित) विधानसभा सीट से दाओचियर आई इम्चेन को टिकट दिया है। इसी तरह कर्नाटक के बागलकोट विधानसभा से वीरभद्रय्या चरंतीमठ और दावणगेरे दक्षिण से श्रीनिवास टी. दासकरियप्पा को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, त्रिपुरा की धर्मनगर विधानसभा सीट से जहर चक्रवर्ती को उम्मीदवार बनाया है।

गौरतलब है कि गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा की विधानसभा सीटों पर 9 अप्रैल को मतदान होगा। इसके अलावा गुजरात और महाराष्ट्र की विधानसभा सीटों पर 23 अप्रैल को वोटिंग होगी। इन सभी सीटों पर बाकी अन्य राज्यों की तरह ही 4 मई को मतगणना होगी।

उपचुनाव में जीत के लिए भाजपा के साथ अन्य विपक्षी पार्टियों ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है। राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता मतदाताओं को अपने पक्ष में मतदान करने के लिए अनुरोध करने के साथ विभिन्न वादे कर रहे हैं।

वहीं, निर्वाचन आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव और छह राज्यों में उपचुनावों के लिए 1,111 पर्यवेक्षक तैनात किये हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने विधानसभा चुनाव कार्यक्रम घोषित करते हुए कहा था कि चुनाव-हिंसा और प्रलोभन मुक्त कराए जाएं ताकि प्रत्येक मतदाता बिना किसी भय या पक्षपात के अपना वोट डाल सके। इसे सुनिश्चित करने में पर्यवेक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मैं केरल में मुख्यमंत्री पद का दावेदार नहीं, निर्वाचित विधायकों में से ही होना चाहिए चुनाव : शशि थरूर

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल विधानसभा चुनावों से पहले, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह मुख्यमंत्री पद के संभावित दावेदार नहीं हैं, क्योंकि वह यह चुनाव नहीं लड़ रहे। उनका मानना है कि आदर्श रूप से मुख्यमंत्री का चुनाव निर्वाचित विधायकों में से ही किया जाना चाहिए।

थरूर ने कहा कि चूंकि वह विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे, इसलिए उन्हें किसी एक खास विधानसभा क्षेत्र की चिंता करने की जरूरत नहीं है, और राज्य चुनावों में उनकी भूमिका मिली-जुली है। उन्होंने कहा कि वह चुनाव प्रचार के लिए 'राज्य के कोने-कोने में' जाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

थरूर ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की उस हालिया सलाह का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कांग्रेस नीत यूडीएफ गठबंधन के नेताओं से प्रतीकात्मक स्वरूप में एक साथ नाचने को कहा था। थरूर ने कहा कि यह एक अच्छा संदेश था, और अब 'हर कोई एक साथ नाच रहा है।

थरूर ने यह भी कहा कि वैसे तो उन्हें केरल में कांग्रेस को बहुमत मिलने पर खुशी होगी, लेकिन 140 सदस्यों वाली विधानसभा में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के लिए 85 से 100 सीटों के बीच का आंकड़ा काफी अच्छा रहेगा।

क्रिकेट की शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए थरूर ने कहा कि यूडीएफ, खासकर माकपा के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के खिलाफ गुगली गेंदें फेंक रहा है, क्योंकि वे मुश्किल पिच पर हैं, और हम उन्हें कैच कर सकते हैं।

तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने यह भी कहा कि जैसे-जैसे चुनाव राष्ट्रपति-शैली के अधिक होते जा रहे हैं, वह व्यक्तिगत रूप से चुनावों से पहले मुख्यमंत्री के संभावित चेहरे को सामने रखने के पक्ष में हैं। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि केरल में कांग्रेस के पास यह क्षमता है कि वह किसी एक व्यक्ति या नाम के बजाय, एक एजेंडे, एक मिशन और पार्टी के चुनाव चिह्न के आधार पर भी अच्छे चुनावी नतीजे दे सकती है।

जब पूछा गया कि क्या चुनाव प्रचार में कोई चेहरा न होने से एलडीएफ के मुकाबले कांग्रेस की संभावनाओं पर असर पड़ सकता है क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन के पास मौजूदा मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के रूप में एक चेहरा है, इस पर थरूर ने कहा, निजी तौर पर, मैं आपकी बात से सहमत हूं; मेरा मतलब है कि हम वह रास्ता अपना सकते थे, लेकिन जैसा कि पार्टी नेतृत्व ने मुझे बताया, कांग्रेस ने पहले कभी ऐसा नहीं किया है।

थरूर ने कहा, उन्होंने यह तरीका अपनाया है कि चुनाव पार्टी के लिए होता है, और एक बार जब पार्टी जीत जाती है, तो वह अपना नेता चुनती है। इसका असल मतलब यह है कि आलाकमान, चुने हुए विधायकों से सलाह-मशविरा करने के बाद, नेता का चुनाव करेगा।

उन्होंने कहा, कांग्रेस की राज्य में बहुत गहरी पैठ है। पूरे केरल में उसकी बात को बहुत गंभीरता से सुना जाता है। हर मोहल्ले, हर गांव और हर वार्ड में उसकी मौजूदगी है। इसी वजह से कांग्रेस के पास यह क्षमता है कि वह किसी एक व्यक्ति के चेहरे या नाम के बजाय, एक एजेंडे, एक मिशन और पार्टी के चुनाव-चिह्न के आधार पर भी अच्छे नतीजे दे सकती है।

जब उनसे सीधे तौर पर पूछा गया कि क्या वह मुख्यमंत्री पद के संभावित दावेदार हैं, तो थरूर ने कहा, नहीं, मैं नहीं हूं। इसके कई अच्छे कारण हैं, जिनमें यह बात भी शामिल है कि मैं खुद चुनाव नहीं लड़ रहा हूं। मेरा मानना है कि आदर्श रूप से मुख्यमंत्री का चुनाव निर्वाचित विधायकों में से ही किया जाना चाहिए।

उन्होंने राज्य में मतदान कार्यक्रम के संदर्भ में कहा, ह्यहयह काफी चौंकाने वाली बात है कि मतदान 9 अप्रैल को हो रहा है, खासकर तब जब इसकी घोषणा खुद 15 मार्च को काफी देर से हुई थी। मूल रूप से, निर्वाचन आयोग ने हमें प्रचार के लिए लगभग तीन हफ्ते दिए हैं। ज्यादातर पार्टियों ने तो अभी तक अपने सभी उम्मीदवारों के नाम भी घोषित नहीं किए हैं। नामांकन सोमवार तक जमा होने हैं और अचानक, ये उम्मीदवार 9 अप्रैल को मतदाताओं का सामना करने वाले हैं।

थरूर ने आरोप लगाया कि देखने में ऐसा लगता है कि यह सब जान-बूझकर केरल में माकपा, असम में भाजपा और पुडुचेरी में स्थानीय पार्टी की मौजूदा सरकारों को फायदा पहुंचाने के लिए किया गया है; ये ही वे तीन राज्य हैं जहां 9 अप्रैल को मतदान होना है।

केरल विधानसभा चुनाव में यूडीएफ की जीत का भरोसा जताते हुए थरूर ने कहा कि एलडीएफ सरकार के खिलाफ 10 साल की सत्ता-विरोधी लहर है।

कतर एयरवेज की अतिरिक्त उड़ानों से 2600 भारतीयों की हुई वतन वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। मिडिल ईस्ट संघर्ष के बीच कतर एयरवेज की ओर से भारत के विभिन्न शहरों के लिए उड़ानों की संख्या में बढ़ोतरी से काफी राहत हुई है। बुधवार को संचालित उड़ानों के जरिए बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक अपने देश लौटे।

कतर स्थित भारतीय दूतावास लगातार लोगों की सहायता के लिए सक्रिय है और सुरक्षा दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील भी कर रहा है।

कतर स्थित भारतीय दूतावास की ओर से जारी एडवाइजरी के अनुसार, कतर एयरवेज ने बुधवार को भारत के अलग-अलग शहरों के लिए नौ उड़ानें संचालित कीं। कुल मिलाकर बुधवार को कतर एयरवेज की उड़ानों

से लगभग 2600 भारतीय नागरिकों ने यात्रा की। जैसा कि कतर एयरवेज ने पहले बताया था, फ्लाइट टिकट की बुकिंग कतर एयरवेज की वेबसाइट, ऐप या ट्रैवल एजेंटों के जरिए की जा सकती है।

दूतावास की ओर से बताया गया कि जैसे-जैसे कतर से भारत के अलग-अलग शहरों के लिए ज्यादा उड़ानें उपलब्ध हुई हैं, कंट्रोल रूम में आने वाले फोन कॉल और ईमेल से पूछे जाने वाले सवालों की संख्या में लगातार कमी आई है। फिर भी, दूतावास लोगों के सवालों और चिंताओं को दूर करने के लिए अपने कंट्रोल रूम को हेल्पलाइन और ईमेल के जरिए 247 आधार पर चालू रखे हुए है।

उन्होंने दूतावास भारतीय समुदाय से आग्रह करते हुए कहा कि वे कतर के अधिकारियों की ओर से जारी किए गए दिशा-निर्देशों और एडवाइजरी का पूरी तरह से पालन करें। सभी को सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करते समय, जिनमें शादियां और शोक सभाएं शामिल हैं, एहतियाती उपायों का पालन करना चाहिए। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया है कि ऐसे कार्यक्रम केवल इनडोर हॉल और बंद जगहों पर ही आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि लोगों की सुरक्षा को होने वाले संभावित जोखिमों से बचाया जा सके।

मिडिलि ईस्ट तनाव के 19वें दिन बाद भी हालात सुधरने के बजाय और बिगड़ते जा रहे हैं। ऐसे में दूतावास ज्याएदा से ज्यादा लोगों को सुरक्षित देश से बाहर निकालने के प्रयास में लगा हुआ है।

बुधवार को ही इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने हमले में हमास की उत्तरी गाजा ब्रिगेड के नौसैनिक दस्ते के कमांडर यूनुस मोहम्मद हुसैन अलियान के खात्मे का दावा किया है। इसके अलावा, आईडीएफ ने एयर स्ट्राइक में ईरान के एक और शीर्ष नेता की मौत का भी दावा किया है।

आईडीएफ का दावा है कि अलियान गाजा में ब्रिगेड की क्षमताओं को फिर से मजबूत करने के लिए काम कर रहा था। वो जल्दर ही किसी बड़े हमले की साजिश बना रहा था। आम नागरिकों को नुकसान पहुंचने की आशंका थी।

आईडीएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्टम कर कहा, इस्माइल खतीब ने पूरे ईरान में हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसमें प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी और हत्याएं शामिल थीं। इसके अलावा, उन्होंने दुनिया भर में इजरायलियों और अमेरिकियों के खिलाफ हमले की गतिविधियों का नेतृत्व किया। इसी तरह, उन्होंने महसा अमीनी विरोध प्रदर्शनों (2022-2023) के दौरान भी ईरानी नागरिकों के खिलाफ काम किया था।

इको टूरिज़्म कार्यशाला में पर्यटन व पर्यावरण संतुलन पर दिया गया जोर

प्रभेश मिश्रा

छत्तीसगढ़: सूरजपुर जिले के शासकीय नवीन महाविद्यालय, प्रेमनगर में राष्ट्रीय उच्च शिक्षा अभियान के अंतर्गत आयोजित पाँच दिवसीय इको टूरिज्म कार्यशाला के चौथे दिन का सत्र छत्तीसगढ़ में पर्यटन विकास के नए आयाम विषय पर केंद्रित रहा। यह सत्र विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी सिद्ध हुआ, जिसमें पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एच. एन. दुबे ने की।

मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुखमनिया जगते एवं विशिष्ट अतिथि उपाध्यक्ष श्री आलोक साहू उपस्थित रहे। विषय विशेषज्ञों के रूप में डॉ. अखिलेश द्विवेदी और डॉ. अखिलेश पाण्डे एवं विनोद साहू ने अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का संचालन सह संयोजक श्री हीरालाल सिंह ने प्रभावशाली ढंग से किया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद छत्तीसगढ़ी राज्य गीत के सामूहिक गायन ने पूरे वातावरण को सांस्कृतिक ऊर्जा से भर दिया। अतिथियों का स्वागत तिलक, बैच और पुष्पगुच्छ के साथ किया गया। स्वागत उदबोधन में सुश्री रेखा जायसवाल ने पर्यावरण संरक्षण को हमारा कर्तव्य बताते हुए कहा कि पर्यटन का विकास प्रकृति के संतुलन को ध्यान में रखकर ही होना चाहिए। उन्होंने ग्रीन डेवलपमेंट की अवधारणा पर जोर देते हुए जिम्मेदार पर्यटन की आवश्यकता बताई।

प्राचार्य डॉ. दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरगुजा संभाग के चुनिंदा महाविद्यालयों में से इस महाविद्यालय में कार्यशाला का आयोजन होना गर्व की बात है। उन्होंने क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाओं की ओर संकेत करते हुए विद्यार्थियों को इसे रोजगार के अवसर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया। श्री आलोक साहू ने अपने उद्बोधन में स्थानीय प्रशासन द्वारा पर्यटन विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पर्यटन क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। परंतु उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि विकास के नाम पर यदि प्राकृतिक धरोहरों को क्षति पहुँचाई जाती है, तो यह दीर्घकाल में हानिकारक सिद्ध होगा। मुख्य वक्ता डॉ. अखिलेश द्विवेदी ने अपने व्याख्यान में पर्यटन और पर्यावरण के बीच संबंध को वैज्ञानिक और संवैधानिक दृष्टिकोण से समझाया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान में पर्यावरण संरक्षण को नागरिकों का मूल कर्तव्य माना गया है, इसलिए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करे। उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे पर्यटन स्थलों का विकास होता है, वहाँ मानव गतिविधियाँ बढ़ती हैं, जिससे भूमि, जल और जैव विविधता पर दबाव पड़ता है।

यदि इस दबाव को नियंत्रित नहीं किया गया, तो पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ सकता है। उन्होंने सस्टेनेबल टूरिज्म की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए कहा कि हमें ऐसे पर्यटन मॉडल को अपनाना चाहिए, जिसमें संसाधनों का उपयोग सीमित और संतुलित हो, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी इन प्राकृतिक धरोहरों का लाभ उठा सकें। विषय विशेषज्ञ डॉ. साहू ने पर्यटन को रोजगार और आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पर्यटन केवल घूमने-फिरने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक उद्योग है, जिसमें परिवहन, होटल प्रबंधन, टूर गाइड, हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पाद और सांस्कृतिक गतिविधियाँ शामिल हैं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक सुंदरता, जलप्रपात, वन क्षेत्र और सांस्कृतिक विविधता जैसे अनेक आकर्षण मौजूद हैं, जिन्हें व्यवस्थित रूप से विकसित कर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न किए जा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे पर्यटन क्षेत्र में कौशल विकसित करें और स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ें। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि पर्यटन के विकास में स्थानीय समुदाय की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

एक नजर

कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने को पुलिस की फुट पेट्रोलिंग हुई तेज

प्रवीण कुमार जैन/उत्तर प्रदेश: ललितपुर में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन सक्रिय नजर आ रहा है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में पुलिस बल द्वारा लगातार फुट पेट्रोलिंग की जा रही है। भीड़-भाड़ वाले बाजारों, प्रमुख चौराहों एवं सार्वजनिक स्थानों पर पुलिसकर्मियों की मौजूदगी से आमजन में सुरक्षा का भाव बढ़ा है। इस दौरान पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की जा रही है तथा लोगों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, जिससे जनपद में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनी रहे और नागरिक सुरक्षित महसूस करें।

ट्रैफिक नियमों की उड़ी धज्जियां, एक बाइक पर चार सवार से बढ़ा हादसों का खतरा

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: विंध्याचल में उड़ी ट्रैफिक नियमों की धज्जियाँ खुलेआम एक बाइक पर सवार हो जा रहें हैं। चार लोग सवार लोगों का कहना है कि प्रशासन की ओर से सख्त कार्रवाई नहीं हो रही, जिससे बढ़ रहा है हादसों का खतरा लोगों का कहना है। पुलिस और प्रशासन की ओर से कोई सख्त कदम नहीं उठाया जा रहा है, जिससे लोग ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने से नहीं हिच किचाते क्या होगा आगेअब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और लोगों की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाता है।

112 के मुख्य आरक्षी अनुज कुमार गिल का निधन, राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई

राकेश कुमार शर्मा/उत्तर प्रदेश: जनपद सहारनपुर में यूपी-112 में तैनात वर्ष 2011 बैच के मुख्य आरक्षी 959 अनुज कुमार गिल, जो विगत काफी समय से हृदय संबंधी बीमारी से पीड़ित थे, को दिनांक 15.03.2026 को अचानक तबीयत खराब होने पर सक्षम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। दुर्भाग्यवश, दिनांक 18/19.03.2026 की रात्रि में उपचार के दौरान उनका निधन हो गया, जिससे पुलिस विभाग को अपूर्णीय क्षति हुई है। स्वर्गीय मुख्य आरक्षी अनुज कुमार गिल के पार्थिव शरीर को पुलिस उपमहानिरीक्षक, सहारनपुर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर एवं अन्य पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा कंधा देकर पूरे सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। इस दौरान राजकीय सम्मान के साथ भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की गई।

अवैध तमंचा और कारतूस के साथ आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अभय/उत्तर प्रदेश: शाहजहाँपुर थाना रोजा पुलिस ने अपराध नियंत्रण अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के दौरान पुलिस टीम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्ति व वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मठिया कॉलोनी से बाडीगाँव जाने वाले कच्चे रास्ते पर भट्टा के पास से राजवीर निवासी ग्राम रामापुर बरकतपुर थाना रोजा को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना रोजा में मु0अ0सं0 119/26 धारा 3/25 शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। इस मौके पर थाना रोजा प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार,उ.नि. ओमपाल सिंह, हेड कांस्टेबल विनोद कुमार एवं कांस्टेबल अंकित कुमार शामिल रहे।

अवैध शराब बरामदगी और अभियुक्त गिरफ्तारी पर थानाध्यक्ष का किया गया सम्मान

राकेश कुमार पासवान/बिहार: सिवान मैरवा थानाध्यक्ष राहुल कुमार की उनके उत्कृष्ट कर्यो को देखते हुए सिवान पुलिस अधीक्षक पूरण कुमार झा द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जारी प्रशस्ति पत्र मे बताया जाता है की बीते माह अवैध शराब टस्करी के खिलाफ चलाए गए अभियान मे मैरवा थाना पुलिस द्वारा भारी मात्रा मे शराब बरामदगी की। साथ हीं कई कांडो मे वांछित अभियुक्तों एवं वारंटीयो की गिरफ्तारी तथा लंबीत मामलो के निष्पादन करने मे भी उल्लेखनीय सफलता हासिल की गई। पुलिस अधीक्षक ने अपने पत्र मे थाना अध्यक्ष राहुल कुमार के नेतृत्व मे की गई करवाई कि सराहना करते हुए लिखा कि यह कार्य उनकी कार्यकुशलता, इच्छाशक्ति और समर्पण का परिचायक है। उन्होंने आशा जताई कि भविष्य मे इस प्रकार अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहकर बिहार पुलिस का गौरव भढ़ाते रहेंगे वही पुलिस अधीक्षक ने थाना अध्यक्ष राहुल कुमार को उज्जवल भविष्य कि शुभकामनाए देते हुए यह प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

नाबालिग छात्रा से गैंगरेप, पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवाल

संदीप कुमार गौतम

बिहार: बिहार के छपरा में 5 दलित पासवान जाति के लोगों ने राजपूत समाज की 10वीं में पढ़ने वाली नाबालिग बच्ची के साथ गैंगरेप करके उसे कुएँ में फेंक दिया, जहाँ वह 30 मिनट तक तड़पती रही, और आखिर में तड़पते हुए दुनिया छोड़ गई। एक ठाकुर लड़की पीड़ित है और आरोपी दलित है, तो इस पर कोई विशेष हल्ला नहीं मचेगा, कहीं कोई आंदोलन नहीं होगा, सजाजसेवी वाले विलाप नहीं करेंगे, क्योंकि पीड़िता सवर्ण है बिहार में कितने विधायक साँसद मंत्री हैं, क्या वे पीड़ित के घर गए? क्या किसी ने आवाज उठाई? क्या इन्हें सिर्फ वोट चाहिए? ना किसी को समाजवाद से मतलब है ना किसी को राम राज्य से मतलब है, मतलब है तो बस अपनी सत्ता स्थापित रखने से, हां केवल

दिखावे के लिए कुछ भी कहा जाएगा लेकिन वह आचरण में नहीं दिखाई देगा ना समाजवाद ना राम राज्य, अपने संसाधनों को इतना मजबूत रखो कि अगर आपके या आपके परिवार के ऊपर कोई आंच आए तो अपना बचाव कर सको, क्योंकि आत्मरक्षा का अधिकार आपको कानून भी देता है, बशर्ते आप उसे न्यायालय में सिद्ध कर सकें।

बेल्थरा रोड में रसोई गैस की किल्लत बढ़ी, उपभोक्ता हुए परेशान

अरुण कुमार पटेल

उत्तर प्रदेश: बेल्थरा रोड क्षेत्र में रसोई गैस की किल्लत लगातार बढ़ती जा रही है। कुशहा भांड़ स्थित ओम गैस एजेंसी के गोदाम पर मंगलवार को सुबह करीब चार बजे से ही उपभोक्ताओं की लंबी लाइनें देखने को मिलीं। गैस सिलेंडर लेने के लिए लोग भोर में ही पहुंचकर कतार में लग जा रहे हैं। बावजूद इसके कई दिनों तक इंतजार करने के बाद भी उन्हें गैस नहीं मिल पा रही है। स्थानीय उपभोक्ताओं का कहना है कि क्षेत्र में यह समस्या होली से पहले ही शुरू हो गई थी, जो अब और गंभीर रूप ले चुकी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईरान-इजराइल-अमेरिका के बीच चल रहे तनाव को लेकर भी लोगों में आशंका का माहौल है,

जिससे गैस की उपलब्धता को लेकर उहापोह की स्थिति बनी हुई है। गैस एजेंसी पर आए दिन उपभोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच कहासुनी की स्थिति बन जाती है। लोगों का आरोप है कि व्यवस्था सही नहीं होने के कारण उन्हें अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गैस कंपनियों ने बुकिंग का समय 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया है। बुकिंग के 48 घंटे बाद उपभोक्ताओं को लंबी लाइन में लगकर ओटीपी देने के बाद ही सिलेंडर मिल पा रहा है। इससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। इस बीच, ओम गैस एजेंसी के मालिक ओमप्रकाश सर्राफ से जब गैस संकट को लेकर बात करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने ऑन कैमरा कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। हालांकि, ऑफ कैमरा उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि 'आप तो सब जानते हैं। वहीं, मंगलवार को नगर क्षेत्र में कुछ स्थानों पर होम डिलीवरी की गाड़ियां भी नजर आईं, लेकिन इससे समस्या का पूरी तरह समाधान नहीं हो सका है। इसके अलावा, गैस एजेंसियों पर केवाईसी अपडेट और बुकिंग के लिए भी लंबी कतारें लगी रहीं। बेल्थरा रोड में गैस की कमी से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। यदि जल्द ही आपूर्ति व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

जमानियां में अवैध खनन पर सख्ती, 4 ट्रेलर सीज और 1.20 लाख का जुर्माना

अंकित कुमार

उत्तर प्रदेश: जमानियां में अवैध खनन पर सख्तीः बिना परमिट बालू और ईंट लदे 4 ट्रेलर सीज, 1.20 लाख का जुमार्ना भी लगायासुहवल थाना क्षेत्र में सोमवार को खनन विभाग ने बिना परमिट खनिज परिवहन के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया। यह कार्रवाई क्षेत्रीय खनन अधिकारी ईश्वरचंद के नेतृत्व में की गई।

अभियान के दौरान टीम ने चार ट्रेलरों को बिना वैध परमिट और आवश्यक दस्तावेजों के परिवहन करते हुए पकड़ा।इनमें एक ट्रेलर ईंट से भरा था, जबकि तीन ट्रेलर बालू से लदे हुए थे। वैध परमिट और अंतरराज्यीय शुल्क जमा होने का प्रमाण न मिलने पर विभाग ने सभी वाहनों को मौके पर ही सीज कर दिया। खनन विभाग ने इन चारों ट्रेलरों पर कुल 1 लाख 20 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। कार्रवाई के बाद सीज किए गए वाहनों को आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए सुहवल थाना पुलिस को सौंप दिया गया।अचानक हुई सख्ती से क्षेत्र में वाहन चालकों के बीच हलचल देखी गई। कार्रवाई से बचने के लिए कई चालकों ने अपने ट्रक और ट्रेलर सड़क किनारे खड़े कर दिए और मौके से हट गए। इससे कुछ समय के लिए प्रमुख मार्गों पर वाहनों की आवाजाही भी कम हो गई।

क्षेत्रीय खनन अधिकारी ईश्वरचंद ने बताया कि अभियान का उद्देश्य ओवरलोडिंग और बिना परमिट बालू सहित अन्य खनिजों के अवैध परिवहन पर रोक लगाना है। जिन वाहनों के पास वैध परमिट नहीं था और अंतरराज्यीय शुल्क जमा नहीं किया गया था, उनके खिलाफ नियमों के तहत सख्त कार्रवाई की गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि क्षेत्र में अवैध खनन और अवैध परिवहन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों के खिलाफ आगे भी लगातार अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अब बेवजह स्थगन पर होगी सख्ती, न्याय प्रक्रिया में आएगी तेजी

कमल पटनी

मध्य प्रदेश: भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में आम नागरिक अक्सर यह महसूस करता है कि उसकी आवाज कहीं दब जाती है। उसकी पीड़ा अनसुनी रह जाती है और न्याय की प्रक्रिया अत्यधिक लंबी व जटिल है। परंतु समय-समय पर ऐसे उदाहरण सामने आते हैं जो यह सिद्ध करते हैं कि यदि प्रयास निरंतर, गंभीर और सत्य पर आधारित हों, तो परिवर्तन अवश्य संभव है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया द्वारा जारी परिपत्र (F.No. 3/Judl./2026) इसी सत्य का जीवंत प्रमाण है। वर्षों से न्यायालयों में स्थगन (Adjournment) की संस्कृति ने न्याय को विलंबित किया। कई महत्वपूर्ण मामलों में केवल एक पत्र (Letter Adjournment) देकर सुनवाई टाल दी जाती थी, जिससे न्याय प्रक्रिया प्रभावित होती थी और पीड़ित पक्ष निराश होता था। लेकिन अब यह व्यवस्था बदली है। नियमित मामलों में स्थगन पर पूर्ण रोक, अन्य मामलों में कड़े नियम, और वकीलों की अनिवार्य उपस्थिति है।

यह सब केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि न्याय प्रणाली में जवाबदेही और गति लाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। पेंशन अपडेशन जैसे महत्वपूर्ण मामलों में वर्षों से हो रही देरी, वरिष्ठ नागरिकों की पीड़ा, और न्याय की प्रतीक्षा ने समाज में एक बेचैनी पैदा की थी। परंतु जब हम जैसे जागरूक नागरिकों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और समाज के जिम्मेदार लोगों ने मिलकर अपनी आवाज उठाई, तथ्य रखे, और निरंतर प्रयास किया। तब जाकर व्यवस्था को बदलना पड़ा।

जमीन कब्जाने की कोशिश, JCB से अतिक्रमण का आरोप

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: जनपद मिजार्पुर के चिल्ह थाना क्षेत्र अंतर्गत मिश्रधाप गांव में आधी रात उस समय हड़कंप मच गया, जब कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से जेसीबी मशीन लेकर भूमिधरी जमीन पर अवैध कब्जा करने का प्रयास किया गया। पीड़ित का आरोप है कि विपक्षी दबंग जबरन उसकी जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं। बताया जा रहा है कि देर रात जेसीबी मशीन के साथ मौके पर पहुंचकर जमीन को कब्जाने की कोशिश की गई। घटना की सूचना मिलते ही पीड़ित ने तुरंत स्थानीय थाने को अवगत कराया, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और

काम को रुकवा दिया। हालांकि पीड़ित का यह भी आरोप है कि विपक्षियों द्वारा उसे लगातार गोली मारने की धमकी दी जा रही है। पीड़ित ने थाना से लेकर एसडीएम तक शिकायत करने की बात कही, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया है।

बलिया में भीषण आग घर में फंसे मां-बेटे की दम घुटने से मौत, पति कूदकर घायल

अरुण कुमार पटेल

उत्तर प्रदेश: बलिया जिले के गड़वार थाना क्षेत्र के चिलकहर इलाके में रविवार रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। घर में अचानक आग लगने से मां और उसके चार साल के बेटे की दम घुटने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि घर में बाहर निकलने का केवल एक ही रास्ता था, जिसके कारण दोनों समय पर बाहर नहीं निकल सके। जानकारी के अनुसार आग लगने के बाद महिला ने पास में स्थित कपड़े की दुकान के मालिक को फोन कर मदद की गुहार लगाई। महिला ने घबराते हुए कहा, भइया

बचा लो, घर में आग लग गई है, नहीं तो हम मर जाएंगे। लेकिन कुछ ही देर में घर में धुआं भर जाने से महिला और उसके मासूम बेटे की दम घुटने से मौत हो गई।

घटना के समय महिला का पति अपनी जान बचाने के लिए पहली मंजिल से नीचे कूद गया। इससे उसका पैर फ्रैक्चर हो गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, मृतक बच्चे का दो दिन पहले ही मुंडन संस्कार हुआ था, जिससे पूरे इलाके में शोक का माहौल है। आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं घायल पति को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

जनगणना 2027 की तैयारी तेज, अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

अभय

उत्तर प्रदेशः शाहजहांपुर भारत की जनगणना 2027 के संबंध मे जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह कि अध्यक्षता में मास्टर ट्रेनर द्वारा जनगणना चार्ज अधिकारियो को दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। भारत कि जनगड़ना 2027 के सफल क्रियान्वयन हेतु होटल ग्रैंड आर्क में कार्यक्रम का आयोजन किया। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार द्वारा जनगणना की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि लंबे समय बाद जनगणना की प्रक्रिया कराई जा रही है जैसी सुचारू रूप से सफल बनाना है। उन्होंने सभी सम्बन्धित चार्ज अधिकारियों को गहनता से प्रशिक्षण प्राप्त करने के

आग्रह किया। जिलाधिकारी ने बताया कि शहर में लगभग 1000 कार्मिकों की आवश्यकता होगी। 104 फील्ड ट्रेनर्स के प्रशिक्षण हेतु व्यवस्था की जा रही है। प्रशिक्षण उपरांत परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें सफल अभ्यर्थियों को ही कार्य में लगाया जाएगा। साथ ही निर्देशित किया गया कि जनगणना बिंदुओं पर कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए। सेल्फ एन्यूमरेटर व्यवस्था को लागू करने हेतु अलग से विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है। जिससे अधिकत लोगों को स्वत ऑनलाइन फॉर्म फिल करने हेतु प्रेरित किया जाए।

उन्होंने बताया प्रशिक्षण में जनगणना के प्रथम चरण ह्लमकान सूचीकरण एवं मकानों की गणनाह्व से संबंधित दिशा-निर्देशों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस चरण के अंतर्गत क्षेत्र के सभी भवनों, आवासीय एवं गैर-आवासीय मकानों का व्यवस्थित विवरण संकलित किया जाएगा।अधिकारियों को जनगणना कार्य की प्रक्रिया, निर्धारित प्रपत्रों के सही संकलन, डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग तथा समयबद्ध क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। प्रशिक्षण के दौरान स्पष्ट किया गया कि त्रुटिरहित कार्य सुनिश्चित करने हेतु संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक सूचियाँ उपलब्ध कराई जाएँ। बीएसए, डीसी तथा डीपीआरओ सहित सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। प्रशिक्षण में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को पूर्ण जिम्मेदारी, गंभीरता एवं सजगता के साथ संपन्न कराने हेतु निर्देशित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन रजनीश कुमार मिश्र, नगर आयुक्त डॉ विपिन कुमार मिश्र सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मान्यवर कांशीराम की 92वीं जयंती भदोही में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेशः जन अधिकार पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय सुकन्या कुशवाहा जी एवं संस्थापक जौनपुर सांसद माननीय बाबू सिंह कुशवाहा जी के निदेर्शानुसार, सामाजिक न्याय के प्रखर पुरोधा, वंचितों एवं शोषितों के अधिकारों की सशक्त आवाज तथा बहुजन समाज को संगठित करने वाले महान नेता डंल्लर्इं फें जी की 92वीं जयंती दिनांक 15 मार्च 2026 को जनपद भदोही के ज्ञानपुर विधानसभा क्षेत्र के कुलमनपुर एवं महुआरि गांव में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि इ. फ ओुर्ॅ१ जी के मिशन को घर-घर तक पहुंचाने और बहुजन समाज को जागरूक एवं संगठित करने में मान्यवर कांशीराम साहब का योगदान अतुलनीय है। समानता, स्वाभिमान और सामाजिक चेतना के लिए उनका संघर्षपूर्ण जीवन आज भी समाज को न्याय और अधिकारों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला प्रभारी सम्राट अशोक, प्रदेश महिला सचिव माला मौर्य, जिला महासचिव पवनगोविंद मौर्य, महिला महासचिव आंचल गौतम, ज्ञानपुर विधानसभा अध्यक्ष इंद्र कुमार, जिला स्टार प्रचारक डॉ. अशोक मौर्य, चंदा देवी सहित समस्त सम्मानित ग्रामवासी एवं पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी ने मान्यवर कांशीराम साहब को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

अतिक्रमण हटाने पर उठे सवाल, क्या कार्रवाई में दोहरा मापदंड

कमल पटनी

मध्य प्रदेशः रतलाम शहर में इन दिनों नगर निगम द्वारा मार्गों को चौड़ा करने के नाम पर अतिक्रमण हटाने की ताबड़तोड़ कार्यवाही की जा रही है। सड़कों, फुटपाथों एवं शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमणों को हटाना निश्चित रूप से एक आवश्यक और सराहनीय कदम है। इससे यातायात सुगम होता है, शहर की सुंदरता बढ़ती है और आम नागरिकों को सुविधा मिलती है। परंतु इसी कार्यवाही के साथ एक गंभीर प्रश्न भी खड़ा हो रहा है। क्या कानून का पालन सभी के लिए समान रूप से हो रहा है, या फिर इसमें दोहरा मापदंड अपनाया जा रहा है? नगर निगम प्रशासन यह कह रहा है कि शासकीय भूमि और सड़कों से अतिक्रमण हटाने के लिए किसी न्यायालयीन आदेश की आवश्यकता नहीं होती। इसी आधार पर तेजी से कार्यवाही की जा रही है, लेकिन दूसरी ओर, जब बात आती है आम नागरिकों की निजी भूमि और भूखंडों पर वर्षों से किए गए अवैध कब्जों की, तो प्रशासन पूरी तरह मौन नजर आता है।

कई मामलों में कलेक्टर कार्यालय और राजस्व न्यायालय के स्पष्ट आदेश मौजूद हैं। इसके बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाए जा रहे। उल्टा, पीड़ित नागरिकों को ही बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। यह स्थिति न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि प्रशासनिक निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। क्या यह प्रशासनिक संरक्षण नहीं है, जब किसी अवैध कब्जे को हटाने के लिए न्यायालय और कलेक्टर के आदेश होने के बावजूद कार्यवाही नहीं होती, तो यह संदेह उत्पन्न होता है कि कहीं न कहीं।

जनगणना 2027 की तैयारी, फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण हुआ संपन्न

प्रभेश मिश्रा

छत्तीसगढ़ः सूरजपुर भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की तैयारियों के अंतर्गत जिला स्तरीय फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 18 मार्च 2026 से प्रारंभ हो कर आज 20 मार्च 2026 को संपन्न हुआ। इस दौरान कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने जनगणना में संलग्न सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि सभी जनगणना के कार्यों को पूरी जिम्मेदारी के साथ समय सीमा में पूर्ण करने। निश्चित से इस जनगणना से जनहित के योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में बेहतर जानकारी प्राप्त होती है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के कार्य को सुव्यवस्थित एवं त्रुटिरहित रूप से

संपन्न कराना है।

इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर द्वारा फील्ड ट्रेनरों को जनगणना से जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। मास्टर ट्रेनर ने एच.एल.बी. (हाउस लिस्टिंग ब्लॉक) निर्माण, मकान नम्बरिंग, ब्लॉक का नजरी नक्शा तैयार करने, फील्ड ट्रेनर-प्रगणक एवं सुपरवाइजर की नियुक्ति तथा सी.एम.एम.एस. पोर्टल पर कार्य संपादन की प्रक्रियाओं की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही जनगणना कार्य को निर्धारित समयावधि में व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से पूरा करने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण में सम्मिलित फील्ड ट्रेनर्स आगे चलकर अपने-अपने क्षेत्रों में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे, जिससे जनगणना का कार्य जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुँच सके। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र शर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्री सुनील अग्रवाल, मास्टर ट्रेनर श्री पी.सी. सोनी व संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

फरार पूर्व जेल अधीक्षक सोमनाथ जगत का सरेंडर, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

अनिल

हरियाणाः यमुनानगर जहरीली शराब कांड और जेल से संचालित अवैध नेटवर्क मामले में फरार चल रहे कुरुक्षेत्र जेल के पूर्व अधीक्षक सोमनाथ जगत ने मंगलवार को कोर्ट में सरेंडर कर दिया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। कुरुक्षेत्र पुलिस अब उसे प्रोडक्शन वारंट पर लेकर पूछताछ करेगी। आरोपी सोमनाथ जगत गुहला के पूर्व विधायक और संसदीय सचिव रह चुके दिल्लू राम बाजीगर के पुत्र हैं। दिल्लू राम गुहला हलके से तीन बार विधायक रह चुके हैं और 9 चुनावों में भाग ले चुके हैं। सोमनाथ भी नौकरी से

पहले पिता के साथ राजनीति में सक्रिय थे। फरारी के दौरान स्टेट क्राइम ब्रांच टीम ने कई बार गांव पोलड़ स्थित उसके घर पर दबिश दी थी। मई 2025 में डीएसपी सुरेंद्र के नेतृत्व में टीम सीवन पुलिस के करीब दो दर्जन पुलिसकर्मियों के साथ तलाशी लेने उनके घर भी गई थी, लेकिन आरोपी हाथ नहीं लगा। सीवन थाना के प्रभारी पारस ने बताया कि "स्टेट क्राइम ब्रांच की टीम एक केस में फरार चल रहे आरोपी सोमनाथ जगत पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित है।

जेल से चलता था नेटवर्क, 22 मौतों का मामला

जांच में सामने आया कि सोमनाथ जगत ने जेल अधीक्षक रहते हुए नियमों की अनदेखी की और गैंगस्टरों को मोबाइल सहित कई सुविधाएं उपलब्ध करवाईं। जेल में बंद शमशेर सिंह उर्फ मोनू राणा और उसका साथी अंकित उर्फ मोगली वहीं से जहरीली शराब का नेटवर्क चला रहे थे। नवंबर 2023 में यमुनानगर और अंबाला में इस जहरीली शराब से 22 लोगों की मौत हो गई थी।

हाईकोर्ट से भी नहीं मिली राहत

राज्य अपराध अनुसंधान शाखा ने उसे 3 सितंबर 2024 को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वह छुट्टी लेकर फरार हो गया। बाद में उसे भगोड़ा घोषित कर इनाम रखा गया। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने उसकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि पहले भी जमानत याचिका खारिज हो चुकी है और सुप्रीम कोर्ट ने भी उस फैसले को बरकरार रखा है।

जयपुर पुलिस की तत्परता से विदेशी युवती को खोया मोबाइल मिला, युवक ने दिखाई ईमानदारी

गोपाल सोनी

राजस्थानः जयपुर रात 10:00 बजे के लगभग दो पड़ोसियों में हुए झगड़े को लेकर गोपाल सोनी भारत निविदा लाइन

समाचार से क्राइम रिपोर्टर छोटी चौपड़ कोतवाली थाने पहुंचे थे। दोनों पक्षों की चलती हुई बहस के अंदर एक फॉरेनर लड़की जो इटली से है दौड़ते हुए थाने में आती है और कोतवाली थाने के २. नरेंद्र जी से रिक्वेस्ट करती है कि सर मेरा मोबाइल का कंफर्म करवा दीजिए। मेरा मोबाइल ई रिक्शा से कहीं गिर गया है। एस आई नरेंद्र जी ने बोला कि ठीक है। आप एक काम कीजिए इसके जो डाक्यूमेंट्स है। वह आप मंगवा कर दीजिए। हम मोबाइल को हैक करके पता करते हैं। कहां पर है उसे लड़की के बताए हुए नंबर पर कुछ पुलिस वालों ने भी फोन किया उसके बाद गोपाल सोनी क्राइम रिपोर्टर ने अपने मोबाइल से फोन किया और उसे युवक से बात हुई उसके बाद एस आई साहब ने मामले को संभाला और उसे तुरंत छोटी चौपड़ कोतवाली थाने पर बुला लिया वह युवक मोबाइल लेकर थाने में आया एस आई साहब नरेंद्र और उसे लड़की ने उसे युवक को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया और लड़की को उन्होंने मोबाइल शॉप कर बहुत ही उन्नत ईमानदारी का परिचय दिया।

एलपीजी कालाबाजारी में आशीष इंडेन गैस मालिक को किया गया गिरफ्तार

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेशः गोरखपुर में ईरान युद्ध के नाम पर अफवाह फैलाकर एलपीजी सिलेंडर की कालाबाजारी करने के आरोप में आशीष इंडेन गैस सर्विस के मालिक पवन वर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि उपभोक्ताओं को डर दिखाकर एलपीजी सिलेंडर करीब 2000 रुपये में बेचे जा रहे थे, जबकि सरकारी दर इससे काफी कम है। मामले की शिकायत मिलने के बाद प्रशासन और आपूर्ति विभाग ने जांच की, जिसमें कालाबाजारी की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कर उन्हें

गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। साथ ही मामले में जुड़े अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि एलपीजी की आपूर्ति सामान्य है, किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और यदि कहीं ज्यादा कीमत पर गैस बेची जा रही हो तो तुरंत शिकायत करें।

जीजीआईसी निर्माण में भ्रष्टाचार के आरोप, घटिया सामग्री और रात में काम पर उठे सवाल

रानू

उत्तर प्रदेशः जैतपुर स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज (जी.जी.आई.सी.) परिसर में आवास विकास विभाग द्वारा कराए जा रहे मल्टीपरपज हॉल के निर्माण में भारी अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। लगभग 50 लाख रुपये की लागत से अलंकार योजना के अंतर्गत बनाए जा रहे इस भवन का निर्माण कार्य इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों और सूत्रों के अनुसार, निर्माण कार्य रात के समय कराया जा रहा है, जो न केवल संदिग्ध है बल्कि गुणवत्ता

पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। आरोप है कि निर्माण में बेहद घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है, जिससे भवन की मजबूती और बच्चों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है।

मामले की गंभीरता तब और बढ़ गई जब अधीक्षण अभियंता, आवास विकास विभाग से इस संबंध में बातचीत की गई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि रात्रि में निर्माण कार्य करवाने का कोई प्रावधान नहीं है। यदि ऐसा हो रहा है तो इसे तत्काल रोका जाएगा। इसके अलावा, निर्माण में उपयोग हो रहे जाल (सरिया संरचना) को लेकर भी अनियमितता सामने आई है। जहां मानक के अनुसार ६७६ का जाल होना चाहिए, वहीं मौके पर ९७७ का जाल पाया गया। यह सीधे तौर पर निर्माण की गुणवत्ता से समझौता करने का संकेत है। स्थानीय नागरिक कैलाश कुशवाहा ,देवी प्रसाद विश्वकर्मा का कहना है कि इस तरह की लापरवाही बच्चों के जीवन के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जमानिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म-2 पर गंदगी का अंबार, पेयजल व्यवस्था भी खराब

अंकित कुमार

उत्तर प्रदेशः जमानिया स्टेशन पर गंदगी का अंबारः प्लेटफार्म नंबर-2 पर कूड़ा, पीने को शुद्ध जल की भी व्यवस्था नहीं जमानिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-2 पर इन दिनों गंदगी का अंबार लगा हुआ है। प्लेटफार्म पर जगह-जगह कूड़ा-

कचरा फैला है। वहीं पेयजल बेसिन के आसपास भी काफी गंदगी जमा है। हैरानी की बात यह

है कि इस ओर स्टेशन प्रबंधन या जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान नहीं जा रहा है। प्लेटफार्म पर कई स्थानों पर पेयजल की टोंटियां नदारद हैं, जिससे गर्मी के दिनों में यात्रियों को पानी के लिए काफी परेशानी हो रही है। यात्रियों रमेश, मनोज, शशिकांत और अनिकेत कुमार ने बताया कि जमानिया रेलवे स्टेशन और स्टैंड परिसर में साफ-सफाई की स्थिति बेहद खराब है।यात्रियों के अनुसार, पेयजल व्यवस्था लगभग ध्वस्त हो चुकी है। बेसिन लगे हैं लेकिन उनमें नल तक नहीं हैं, जिससे यात्रियों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है।जब इस संबंध में सफाई सुपरवाइजर वसीम से बात की गई तो उन्होंने बताया कि स्टेशन पर तीन सफाईकर्मी तैनात हैं और नियमित सफाई की जा रही है। हालांकि, प्लेटफार्म पर फैली गंदगी को देखकर सवाल उठ रहा है कि सफाई वास्तव में धरातल पर हो रही है या सिर्फ कागजों में सीमित है।स्थानीय लोगों और यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से स्टेशन परिसर की साफ-सफाई दुरुस्त करने और पेयजल की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है।

एक नजर

फाल्गुन पूर्णिमा पर होली पूजन और होलिका दहन धूमधाम से संपन्न

गौरव कुमार/उत्तर प्रदेशः कस्बा झिंझाना माह फाल्गुन की पूर्णिमा के अवसर पर वार्षिकोत्सव होली पूजन का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। जिसको महिलाओं की आस्थावान पूजा-पाठ ने होली पूजन स्थल को एक दार्शनिक व मनमोहक स्थल के रूप में दशार्या। कस्बा झिंझाना के मौहल्ला ब्रहमनान निकट पीठ बाजार नगर के प्रसिद्ध राम श्याम मंदिर के पास गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी माह फाल्गुन की पूर्णिमा की पावन बेला पर होली पूजन का भव्य समारोह हर्षोल्लास व धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर के सनातन धर्म से जुड़े शीर्ष नागरिकों ने उत्तम सहयोग प्रदान किया। आयोजन तिथि 2 मार्च दिन सोमवार की रात्रि में ढोल ताशों की तान व गड़गड़ाहट के साथ होलिका दहन किया गया। होलिका दहन करने में डी ए वी पब्लिक स्कूल के प्रबंधक माननीय आशीष मित्तल जी ने सराहनीय भूमिका निभाई। इस अवसर पर आलोक शर्मा जी, प्रवीण शर्मा जी,सोनू सैनी जी आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शामली में रंगोत्सव और होली धूमधाम से मनाई गई

गौरव कुमार/उत्तर प्रदेशः जनपद शामली कस्बा झिंझाना के वार्ड 1,में आपसी भाईचारे एंव प्रेम प्रतीक के रूप में विकसित रंगोत्सव पर रंगों के मधुर त्योहार की पावन बेला पर बालिकाओं व सामाजिक महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक हर्षोल्लास व नई उमंगों के साथ मिलकर धूमधाम से होली पूजन तथा होलिका दहन के उपरांत रंगों गुलाल, अबीर से होली खेली। जिसकी वजह से त्योहार की शोभा में चार चांद लगाए गए,और त्योहार के महत्व को प्यार के अनेक रंगों से और अधिक शोभायमान बनाया गया। नगर की गलियां व सडकें सब होली में रंगों में रंगीन दिखाई दी। बाजारों में होली के पूजनीय एंव खेलने के सामान से सजी हुई दुकानें एक महत्वपूर्ण अद्भुत दृश्य समेटे हुए रही, जिससे एक शोभायमान नजारा देखने को मिला। रंगोत्सव से देर शाम तक रंगों व खुशियों की खुमारी छाई रही। अनेकों नागरिकों ने अपने घरों पर डीजे बजाकर होली का आंनद लिया। इस रंगोत्सव के अवसर पर मुख्य रूप से सुधा टांक, स्वीटी,महक,ज्योति,शिवानी,मुस्कान, पलक, और रुद्र सौदाई आदि शामिल रहे।

विन्ध्याचल धाम में नवरात्र पर 4 लाख श्रद्धालुओं की भीड़, प्रशासन अलर्ट

सूरज मौर्य/उत्तर प्रदेशः चैत्र नवरात्र के शुभारंभ के साथ ही मां विन्ध्यवासिनी मंदिर सहित पूरे विन्ध्याचल धाम में आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। प्रतिपदा के पहले ही दिन करीब चार लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन-पूजन किए। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ काली खोह मंदिर और अष्टभुजा मंदिर में भी कतारबद्ध दिखाई दी। मेले में श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद नजर आई। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार और पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने सुबह से ही मेला क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लियाछ और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं के साथ सौम्य व्यवहार रखा जाए और यदि कोई व्यक्ति अपने परिजनों से बिछड़ जाए तो उसे सुरक्षित मिलाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। विन्ध्य कॉरिडोर परिसर में जिलाधिकारी के निर्देशन में नव दिवसीय दुर्गा सप्तशती पाठ का शुभारंभ विधि-विधान से किया गया।

सम्पादकीय

विकास से आगे, संतोष की तलाश

भागदौड़ की जिंदगी में हम खुशी शब्द तो भूल ही चुके हैं। पता नहीं पिछला कौन सा दिवस होगा जब हम खुलकर हंसे होंगे। हर वर्ष 20 मार्च को मनाया जाने वाला विश्व खुशी दिवस हमें यह याद दिलाता है कि जीवन का अंतिम लक्ष्य केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि वास्तविक खुशी और संतोष है। आज जब दुनिया अभूतपूर्व तकनीकी और आर्थिक विकास के दौर से गुजर रही है, तब भी मानसिक तनाव, अवसाद और असंतोष के बढ़ते आंकड़े इस बात का संकेत देते हैं कि विकास और खुशी के बीच कहीं न कहीं संतुलन बिगड़ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2012 में इस दिवस की शुरूआत का उद्देश्य यह था कि वैश्विक नीतियों और विकास के एजेंडे में मानव कल्याण और खुशी को भी प्राथमिकता दी जाए। दरअसल, सकल घरेलू उत्पाद (त्रष्ठक्क) जैसे आर्थिक सूचकांक किसी देश की समृद्धि तो दिखाते हैं, लेकिन उसके नागरिकों की खुशी का सटीक आकलन नहीं कर पाते। यही कारण है कि आज 'हैप्पीनेस इंडेक्सइ जैसे वैकल्पिक मानकों पर भी जोर दिया जा रहा है।

भारत जैसे देश में, जहां विविधता और सामाजिक संबंधों की गहराई है, खुशी का अर्थ केवल भौतिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। परिवार, सामाजिक जुड़ाव, सांस्कृतिक परंपराएं और आध्यात्मिकता यहां लोगों के जीवन में संतोष और आनंद के प्रमुख स्रोत हैं। फिर भी, शहरीकरण और प्रतिस्पर्धा की दौड़ ने जीवन को तनावपूर्ण बना दिया है। युवा पीढ़ी विशेष रूप से करियर और अपेक्षाओं के दबाव में मानसिक संतुलन खोती नजर आ रही है।

ऐसे में, विश्व खुशी दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। यह दिन हमें सिखाता है कि छोटी-छोटी खुशियों को पहचानना और सराहना ही जीवन को सार्थक बनाता है। स्वस्थ जीवनशैली, सकारात्मक सोच, सामाजिक संबंधों को मजबूत करना और अपने आसपास के लोगों के साथ सहानुभूति रखना—ये सभी खुशी के सरल लेकिन प्रभावी सूत्र हैं।सरकारों की भी जिम्मेदारी है कि वे ऐसी नीतियां बनाएं जो केवल आर्थिक विकास तक सीमित न हों, बल्कि नागरिकों के मानसिक और सामाजिक कल्याण को भी सुनिश्चित करें। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में सुधार के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना आज की आवश्यकता बन चुकी है। खुशी कोई बाहरी वस्तु नहीं, बल्कि एक आंतरिक अनुभव है। इसे पाने के लिए हमें अपनी सोच और जीवनशैली में संतुलन लाना होगा। विश्व खुशी दिवस का संदेश स्पष्ट है—अगर विकास के साथ खुशी नहीं है, तो वह अधूरा है। इसलिए, एक ऐसे समाज के निर्माण की दिशा में प्रयास होना चाहिए, जहां हर व्यक्ति न केवल सफल हो, बल्कि सच में खुश भी हो।

कहां गुम हो गया वो भारत

सर्वमित्रा सुरजन

सरकार तो अपने दायित्व से पूरी तरह चूक गई है, लेकिन समाज भी क्या खुद को राजनीति के मंच की तरह इस्तेमाल होने देगा, ये भारत की आम जनता को सोचना होगा। कुछ साल पहले तक ईद और दीवाली दोनों की खुशियां एक जैसी देश भर में पसरी होती थीं और नागरिकों के बीच आपसी हेलमेल खुलकर नजर आता था। अब वो भारत कहां गुम हो गया है।

मिल के होती थी कभी ईद भी दीवाली भी,
अब ये हालत है कि डर डर के गले मिलते हैं।

न मालूम ये पंक्तियां किसने लिखी हैं, लेकिन आज के माहौल में यह बिल्कुल सटीक बैठती हैं। हालांकि ईद के मुबारक मौके पर ऐसी पंक्तियां साझा करते हुए दुख भी हो रहा है, लेकिन हकीकत से मुंह चुरा कर हम कहां जाएंगे। त्योहार शब्द के साथ खुशी शब्द चस्पां हुआ करती थी, लेकिन बीते 12 सालों में अब त्योहार की परिभाषा और मायने भी बदले जा चुके हैं। जिन के पास धन-संपत्ति है, समाज में ताकत है, उनके लिए सारे त्योहार खुशियां लेकर आते हैं। लेकिन साधारण लोगों के लिए परेशानियां और तनाव त्योहार के सहउत्पाद (बायप्रोडक्ट) की तरह साथ चले आते हैं। उस पर भी अगर अल्पसंख्यकों के त्योहारों का वक्त आए, तो तनाव की रेखा कुछ ज्यादा गहरी और लंबी हो जाती है।

बहुसंख्यक हिंदुओं को मोदी शासनकाल में यही पाठ पढ़ा दिया गया है कि अपने त्योहार की खुशी भी आप तभी सही तरीके से मनाएंगे, जब अल्पसंख्यकों को परेशान करेंगे। इसलिए होली हो या दीवाली, रामनवमी हो या हनुमान जयंती, मुसलमानों और ईसाइयों को चिढ़ाना कुछ लोगों ने अपना सच्चा धर्म बना लिया है। मंदिर में भजन-कीर्तन की जगह मस्जिदों या चर्चों के सामने ढोल बजाकर गाने-बजाने से ही भगवान सुनेंगे, ऐसा इन्हें लगता है। और जब मौका ईद या क्रिसमस का आए, तो अल्पसंख्यकों को उनकी हदों में रहकर त्योहार मनाने की चेतावनी दी जाती है, मानो ये देश उनका नहीं है।

अभी क्रिसमस पर ही देश ने देखा है कि प्रधानमंत्री मोदी तो दिल्ली में चर्च जाकर बधाई दे रहे हैं, लेकिन मोदी को आदर्श मानने वाले लोगों ने देश के कई हिस्सों में चर्च में तोड़-फोड़ की या चर्च परिसर में बैठकर हनुमानचालीसा का पाठ किया। हैरानी की बात ये है कि ऐसा करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की खबर भी पूरी नहीं आती है। दिखाने को एकाध एफआईआर दर्ज हो भी जाए, तो आगे उन्हें सजा मिली या नहीं, ये कभी पता नहीं चलता। बाकी अल्पसंख्यकों को तो बिना कसूर के भी सजा देने का काम पुलिस से पहले उन्मादी भीड़ कर ही लेती है। कभी गो मांस के शक में, कभी गोतस्करी के शक में जो भीड़ द्वारा हत्याएं की गई हैं, वो इसका उदाहरण है। भीड़ तो उन्माद से संचालित हो जाती है, मगर ज्यादा दुख ये देखकर होता है कि अब अक्सर प्रशासन भी इसी तरह का उन्मादी व्यवहार दिखाने लगा है। कुछ समय पहले उत्तरप्रदेश में कुछ मुसलमानों को महज इसलिए कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा क्योंकि वे खाली घर में नमाज पढ़ रहे थे। कई बार खुले में नमाज पढ़ने को लेकर भी मुसलमानों को चेतावनी दी जा चुकी है। जबकि पांच वक्त की नमाज के पाबंद लोग अगर घर पर या मस्जिद के पास न हुए, तो किसी खाली जगह को देखकर कुछ मिनटों की नमाज पढ़ लें तो उसमें कोई हर्ज नहीं होना चाहिए। जब एयरपोर्ट पर गरबा हो सकता है, या क्लबों में भजन हो सकते हैं, तो नमाज क्यों नहीं पढ़ी जा सकती। लेकिन धर्म को खतरा बताकर जिस तरह लोगों के दिल-दिमाग पर ताले लगा दिए गए हैं, उसके बाद किसी भी समझदारी की उम्मीद करना बेमानी हो चुका है।

हाल ही में उत्तरप्रदेश के संभल में मस्जिद में नमाजियों की संख्या 20 तक सीमित करने का आदेश प्रशासन ने दिया। यहां अच्छी बात यह रही कि इस आदेश को रद्द करते हुए जिलाधिकारी और एसपी को कड़ी फटकार लगाते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य का कर्तव्य है, और अगर अधिकारी इसे नहीं संभाल सकते तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए या ट्रांसफर करवा लेना चाहिए। काश कि अदालतें ऐसी ही सख्ती धर्मांधता को बढ़ावा देने वाले तमाम प्रकरणों पर ले तब शायद समाज का माहौल थोड़ा सुधरे। क्योंकि समाज में नफरत किस कदर फैल चुकी है, इसके कुछ भयावह उदाहरण रमजान में ही देखने मिले। पुणे में रोजा तोड़ रहे मुस्लिम युवकों के एक समूह पर भीड़ ने हमला किया, जिसमें कम से कम पांच लोग घायल हो गए। बिहार के मधुबनी जिले में एक मुस्लिम महिला, रोशन खातून को कथित तौर पर एक स्थानीय नेता से शिकायत करने के बाद भीड़ ने खंभे से बांधकर पीटा, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। आरोप है कि उसे पानी मांगने पर पेशाब पीने के लिए मजबूर किया गया। इस खबर को सुनकर ही दिल भीतर तक दहल गया कि आखिर दूसरे धर्म से नफरत करने में क्या अब हिंदुओं को रक्तपिपासु राक्षसों में तब्दील कर दिया गया है। एक घटना पंजाब के लुधियाना से सामने आई, जहां एक निजी विश्वविद्यालय में कश्मीरी मुस्लिम छात्रों ने शिकायत की कि उन्हें सहरी के लिए बासी/ठंडा खाना और इफ्तारी के लिए खजूर की जगह केला दिया गया। विरोध करने पर उन्हें कथित तौर पर धमकाया गया।

नित्य चक्रवर्ती

व्हाइट हाउस ने अपनी तरफ से 31 मार्च से 2 अप्रैल तक शिखर सम्मेलन की तारीखें तय कर दी थीं, लेकिन चीन की तरफ से इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई थी। असल में, ट्रंप पेरिस बैठक का इस्तेमाल एक 'चारे' के तौर पर करना चाहते थे, ताकि चीन को अपने पाले में रखा जा सके। वे यह संकेत देना चाहते थे कि वे चीनी राष्ट्रपति के साथ बैठक करने के लिए इतने उत्सुक हैं कि वे उस ऐतिहासिक व्यापार समझौते और अन्य विवादित मुद्दों पर आपसी समझ को अंतिम रूप देना चाहते हैं। लेकिन ट्रंप की यह चाल कामयाब नहीं हुई। अब वे गुस्से से आग-बबूला हैं।

ईरान युद्ध में नाटो से अलग-थलग पड़े ट्रंप की परीक्षा की घड़ी

अब तक, यह एक हवाई युद्ध रहा है, जिसमें कुछ ही अमेरिकी जानें गई हैं। घायलों की संख्या भी लगभग 200 ही है। लेकिन अगर ट्रंप जमीनी सैनिकों का इस्तेमाल करते हैं, तो मरने वालों की संख्या हजारों में होगी। नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों के इस साल में, यह ट्रंप के लिए एक राजनीतिक आपदा साबित होगी। रुझान पहले से ही दिख रहे हैं।

बुधवार को, अमेरिका-इजरायल गठबंधन के ईरान के खिलाफ युद्ध के 18वें दिन, ट्रंप को एक साथ दो बुरी खबरें मिलीं। इन खबरों ने उन्हें इस बात पर सोचने पर मजबूर कर दिया कि ईरान को अमेरिकी ताकत के आगे झुकाने के लिए उन्हें अपनी अगली रणनीति कैसे बनानी चाहिए। पहली खबर यह थी कि यूरोपीय सरकारों ने ट्रंप के उस अनुरोध का जवाब देने से इनकार कर दिया है, जिसमें उन्होंने तेल टैंकरों के सुरक्षित मार्ग के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने युद्धपोत भेजने की मांग की थी। दूसरी खबर यह थी कि ईरान अब होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों को तभी गुजरने दे रहा है, जब वे भुगतान डॉलर में नहीं, बल्कि चीनी युआन में करें।

इसका मतलब है कि चीन और ईरान के बीच कोई समझौता हो गया है, हालांकि उसकी शर्तें अभी पता नहीं चली हैं। लेकिन इसका कुल नतीजा यह निकला है कि चीन, तेहरान के पूरे समर्थन के साथ, ईरान द्वारा की गई होर्मुज नाकेबंदी का फायदा उठा रहा है और पैसे कमा रहा है। ट्रंप के लिए, यह खबर इससे बुरे समय पर नहीं आ सकती थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट को मनाया कि वे चीनी व्यापार मंत्री ही लिफांग के साथ एक बैठक तय करें, ताकि इस साल अप्रैल में बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ होने वाली उनकी बैठक के लिए जमीन तैयार की जा सके। ईरान युद्ध के माहौल के बीच चीन ने हिचकिचाते हुए ऐसी बैठक के लिए सहमति दी। यह बैठक रविवार को पेरिस में शुरू हुई और सोमवार को भी जारी रही।

व्हाइट हाउस ने अपनी तरफ से 31 मार्च से 2 अप्रैल तक शिखर सम्मेलन की तारीखें तय कर दी थीं, लेकिन चीन की तरफ से इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई थी। असल में, ट्रंप पेरिस बैठक का इस्तेमाल एक 'चारे' के तौर पर करना चाहते थे, ताकि चीन को अपने पाले में रखा जा सके। वे यह संकेत देना चाहते थे कि वे चीनी राष्ट्रपति के साथ बैठक करने के लिए इतने उत्सुक हैं कि वे उस ऐतिहासिक व्यापार समझौते और अन्य विवादित मुद्दों पर आपसी समझ को अंतिम रूप देना चाहते हैं। लेकिन ट्रंप की यह चाल कामयाब नहीं हुई। अब वे गुस्से से आग-बबूला हैं। उन्होंने घोषणा की है कि चीन का प्रस्तावित दौरा टाल दिया जाएगा, हालांकि व्हाइट हाउस के सूत्रों का कहना है कि शिखर सम्मेलन अप्रैल के अंत तक हो जाना चाहिए।

ट्रंप ने चीन से भी होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाज भेजने का वही अनुरोध किया था, लेकिन चीन ने भी यूरोपीय देशों की तरह ही इस अनुरोध को ठुकरा दिया। इस तरह, दोनों ही पक्षों ने ट्रंप की बात मानने से इनकार कर दिया। जहां तक यूरोप की प्रतिक्रिया का सवाल है, वह ट्रंप के लिए इतनी परेशान करने वाली थी कि उन्होंने कहा कि यूरोप का यह रुख नाटो के लिए बहुत बुरा है। इस बात के काफी संकेत थे कि वह नाटो के इन यूरोपीय सदस्यों के खिलाफ उचित कार्रवाई करेंगे। जर्मनी की प्रतिक्रिया ट्रंप के लिए सबसे ज्यादा चिंताजनक थी। जर्मनी ने किसी भी सैन्य गतिविधि में हिस्सा लेने से साफ इनकार कर दिया, जिसमें जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के प्रयास भी शामिल थे। चांसलर फ्रेडरिक मज ने कहा, 'हस्तक्षेप करना है या नहीं, इस पर कभी कोई संयुक्त फैसला नहीं हुआ था। इसीलिए यह सवाल ही नहीं उठता कि जर्मनी के सैन्य रूप से योगदान देगा। हम ऐसा नहीं करेंगे।'

उन्होंने आगे कहा, 'इस ईरानी शासन का अंत होना ही चाहिए,' लेकिन साथ ही यह भी कहा कि 'पिछले वर्षों और दशकों में हमने जो अनुभव हासिल किया है, उसके आधार पर, बमबारी करके उसे घुटने टेकने पर मजबूर करने जैसा तरीका, पूरी संभावना है कि सही तरीका नहीं है।'

जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने कहा, 'यह हमारा युद्ध नहीं है, हमने इसे शुरू नहीं किया है। डोनाल्ड ट्रंप होर्मुज जलडमरूमध्य में मुी भर यूरोपीय युद्धपोतों से ऐसी क्या उम्मीद करते हैं, जिसे शक्तिशाली अमेरिकी नौसेना अकेले नहीं संभाल सकती? यही वह सवाल है जो मैं खुद से पूछ रहा हूं।' ब्रिटेन,फ्रांस और इटली ने भी जर्मन राष्ट्रपति के विचारों का समर्थन किया और यह साफ कर दिया कि वे ट्रंप के अनुरोध के अनुसार होर्मुज जलडमरूमध्य में युद्धपोत भेजने की स्थिति में नहीं हैं।

तो अब ट्रंप यहां से आगे क्या करेंगे? पेंटागन ने इस महीने की शुरूआत में अपनी रिपोर्ट में कहा था कि ईरान में इस युद्ध को इस साल सितंबर तक जारी रखने की क्षमता है और यह अमेरिका के लिए बहुत महंगा साबित होगा। ट्रंप को पेंटागन पर भरोसा नहीं था। वह ईरान को आत्मसमर्पण कराने के लिए ज्यादा से ज्यादा पंद्रह दिन का समय बता रहे थे। अब, 18वें दिन भी, ऐसा कोई संकेत नहीं दिख रहा है। ट्रंप तेल और परमाणु ठिकानों पर कब्जा करने के लिए मरीन सहित बड़ी संख्या में सैनिकों का इस्तेमाल करके युद्ध को अगले स्तर पर ले जा सकते हैं। अगर वह सफल भी हो जाते हैं, तो भी इस कदम के खतरनाक परिणाम होंगे।

अब तक, यह एक हवाई युद्ध रहा है, जिसमें कुछ ही अमेरिकी जानें गई हैं। घायलों की संख्या भी लगभग 200 ही है। लेकिन अगर ट्रंप जमीनी सैनिकों का इस्तेमाल करते हैं, तो मरने वालों की संख्या हजारों में होगी। नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों के इस साल में, यह ट्रंप के लिए एक राजनीतिक आपदा साबित होगी। रुझान पहले से ही दिख रहे हैं कि डेमोक्रेट्स जीत रहे हैं। अमेरिकी सैनिकों की मौत अमेरिकी मतदाताओं के लिए बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है। रिपब्लिकन पार्टी भी यह जोखिम नहीं उठा सकती। ट्रम्प के लिए, यह परीक्षा की घड़ी है।

बिनोद कुमार सिंह

बुलेट ट्रेन की परियोजना में लगे पंख

भारत आज एक ऐसे दौर से गुजर रहा है,जहाँ विकास की परिभाषा केवल सड़कों,पुलों और भवनों तक सीमित नहीं रही,बल्कि वह गति, समन्वय और सुविधा के समग्र अनुभव में परिवर्तित हो चुकी है। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन मोड़ व अश्वनी वैष्णव के विजन में इसी बदलती सोच का सबसे सशक्त प्रतीक बनकर उभरी है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण बुलेट ट्रेन की परियोजना में पंख लग गए है।सर्व विदित रहे कि देश की बहुप्रतीक्षित बुलेट ट्रेन परियोजना,जो केवल एक तेज रफ्तार रेल सेवा नहीं,बल्कि आधुनिक शहरी जीवन शैली का आधार बनने की दिशा में अग्रसर है।आपको बता दें कि बुलेट ट्रेन स्टेशनों को जिस दृष्टिकोण से विकसित किया जा रहा है,वह अपने आप में एक नई अवधारणा को जन्म देता है।अब स्टेशन केवल यात्रा के प्रारंभ और अंत का स्थान नहीं रहेंगे,बल्कि वे शहर की परिवहन व्यवस्था के साथ एकीकृत होकर आधुनिक शहरी नेटवर्क का महत्वपूर्ण हिस्सा बनेंगे।मल्टी- मॉडल इंटीग्रेशन (एमएमआई) की यह अवधारणा यात्रियों को बिना किसी व्यवधान के एक परिवहन माध्यम से दूसरे माध्यम में सहज रूप से स्थानांतरित होने की सुविधा प्रदान करेगी।इस योजना के तहत स्टेशन परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों का व्यापक विकास किया जा रहा है।बस,टैक्सी,निजी वाहन और अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों को एक ही स्थान पर सुव्यवस्थित ढंग से जोड़ने का प्रयास,भारतीय शहरों की लंबे समय से चली आ रही परिवहन अव्यवस्था को दूर करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। यह केवल यात्रा को आसान नहीं बनाएगा, बल्कि समय की बचत,ईंधन की खपत में कमी और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।सुत्रो के अनुसार स्टेशन प्लाजा को जिस प्रकार से डिजाइन किया जा रहा है,वह आधुनिक शहरी सौंदर्य और कार्यकुशलता का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। यहाँ के चौड़े और सुरक्षित फुटपाथ, सुव्यवस्थित पिकअप एवं ड्रॉप ऑफ जोन,पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था, उन्नत संकेत प्रणाली,आधुनिक स्ट्रीट लाइटिंग और सीसीटीवी आधारित सुरक्षा व्यवस्था - ये सभी सुविधाएँ मिलकर यात्रियों को एक सुरक्षित,सुविधाजनक और विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करेंगी। साथ ही,लैंडस्केपिंग और वृक्षारोपण के माध्यम से इन क्षेत्रों को हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाने का प्रयास भी सराहनीय है।

यदि हम इस परियोजना की प्रगति पर दृष्टि डालें,तो स्पष्ट होता है कि यह केवल कागजों तक सीमित योजना नहीं,बल्कि धरातल पर तेजी से आकार लेती हुई वास्तविकता है।सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन पर स्टील स्ट्रक्चर और रूफ शीटिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है और अब फिनिशिंग कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।प्लेटफॉर्म और कॉन्कोर्स क्षेत्र में फ्लोरिंग,क्लैडिंग और अन्य आंतरिक कार्यों की प्रगति इस बात का संकेत देती है कि यह स्टेशन शीघ्र ही अपनी अंतिम रूपरेखा में दिखाई देगा।

बिलिमोरा स्टेशन पर भी निर्माण कार्य उल्लेखनीय गति से आगे बढ़ रहा है।रेल और प्लेटफॉर्म स्तर की स्लैब कास्टिंग पूरी हो चुकी है और संरचनात्मक स्टील का कार्य भी समाप्त हो गया है।अब आर्किटेक्चरल फिनिशिंग और एमईपी कार्यों के माध्यम से इसे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है।आणंद स्टेशन की प्रगति विशेष रूप से उल्लेखनीय है।यहाँ न केवल स्लैब कास्टिंग और रूफ संरचना का कार्य पूरा हो चुका है,बल्कि लिफ्ट और एस्केलेटर भी स्थापित किए जा चुके हैं।यह दशार्ता है कि यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए इस परियोजना को किस गंभीरता से क्रियान्वित किया जा रहा है।

वडोदरा,भरूच और वापी स्टेशनों पर भी निर्माण कार्य विभिन्न चरणों में प्रगति पर है।कहीं स्लैब कास्टिंग पूरी हो चुकी है,तो कहीं संरचनात्मक स्टील का कार्य जारी है।यह समग्र प्रगति इस बात का प्रमाण है कि देश की यह महत्वाकांक्षी परियोजना योजनाबद्ध ढंग से आगे बढ़ रही है।इस पूरे प्रयास के पीछे केवल तेज गति से यात्रा कराने का उद्देश्य नहीं है, बल्कि एक ऐसे परिवहन तंत्र का निर्माण करना है जो टिकाऊ, समावेशी और भविष्य के अनुरूप हो। जब विभिन्न परिवहन साधनों को एकीकृत किया जाता है,तो वह केवल सुविधा ही नहीं बढ़ाता, बल्कि शहरों के समग्र विकास को भी गति देता है।आज के इस युग मे जब महानगरों में ट्रैफिक जाम, प्रदूषण और अव्यवस्थित परिवहन बड़ी चुनौतियाँ बन चुकी हैं,ऐसे में बुलेट ट्रेन परियोजना एक आशा की किरण के रूप में सामने आती है। यह न केवल यात्रियों को तेज और सुरक्षित यात्रा का विकल्प प्रदान करेगी,बल्कि शहरी नियोजन के नए मानक भी स्थापित करेगी।

संक्षेप में कह सकते है कि बुलेट ट्रेन परियोजना केवल एक परिवहन योजना नहीं,बल्कि आधुनिक भारत के सपनों का साकार रूप है। यह उस भारत की झलक प्रस्तुत करती है जो तेज,संगठित,पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और भविष्य के लिए तैयार है।आने वाले वर्षों में जब ये स्टेशन पूरी तरह से विकसित होकर कार्य करने लगेंगे,तब वे केवल यात्रा के केंद्र नहीं,बल्कि आधुनिक जीवन के प्रतीक बनकर उभरेंगे।बुलेट ट्रेन आधुनिक भारत के निर्माण को गति,शहरी विकास की नई दिशा देगी।

रमेश सर्राफ धमोरा

प्रकृति की नन्ही दूत है चिड़िया

विश्व गौरैया दिवस नन्ही घरेलू गौरैया और अन्य पक्षियों को समर्पित है। गौरैया की संख्या में हो रही तीव्र गिरावट के बारे में जागरूकता पैदा करने और लोगों को इन परिचित पक्षियों की रक्षा करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु यह दिवस प्रतिवर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य गौरैया के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना और उनके लिए हमारे आस पास का माहौल बेहतर करना है। विश्व गौरैया दिवस 2026 एक बार फिर दुनिया को याद दिलाएगा कि आम पक्षियों को भी देखभाल और ध्यान की आवश्यकता है। कभी उपेक्षित समझी जाने वाली गौरैया अब कई कस्बों और शहरों से गायब हो रही हैं, जो इस दिन को रोजमर्रा की जैव विविधता और स्थानीय पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य के प्रति चिंता का प्रतीक बनाती है।

गौरैया मानव इतिहास के सबसे परिचित पक्षियों में से एक हैं। वे घरों, खेतों, बाजारों और शहरी सड़कों के पास पाई जाती हैं। उनकी उपस्थिति यह दशार्ती है कि किसी क्षेत्र में अभी भी पर्याप्त भोजन, सुरक्षित घोंसले बनाने की जगह और बुनियादी पारिस्थितिक संतुलन मौजूद है। गौरैया की मधुर चहचहाहट कई देशों में सुबह और शाम के जीवन का अभिन्न अंग रही है। गौरैया छोटे, फुतीर्ले पक्षी होते हैं जो 4 से 7 इंच तक लम्बे होते हैं। उनके गोल, मोटा शरीर और छोटी मजबूत चोंच होती हैं जो खुले बीजों को तोड़ने के लिए उपयुक्त होती हैं। उनके पंखों पर धारियां या गहरे रंग के धब्बे होते हैं। यह हल्की भूरे रंग या सफेद रंग में होती है। इसके शरीर पर छोटे-छोटे पंख और पीली चोंच व पैरों का रंग पीला होता है।

जब बच्चा कुछ समझने लगता है तो सर्वप्रथम उसको घर के आंगन में सबसे अधिक जो पक्षी देखने को मिलता है वह नन्ही चिड़िया यानी गौरैया होती है। यह चिड़िया बचपन से ही हमारी साथी बन जाती है जो बच्चों के इर्द-गिर्द ही घूमती रहती है और अपनी मीठी आवाज से उन्हें आकर्षित करती रहती है। गौरैया बच्चों के हाथ से कई बार खाने की वस्तु भी झपटकर ले जाती है। छोटे बच्चे उन्हें पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ते हैं और वह फुर्र से उड़कर ऊपर बैठ जाती है। गांव देहातों में यह आज भी देखने को मिल जाता है। मगर शहरों में अब ऐसा नजारा शायद ही कहीं देखने को मिलता होगा।

गौरैया मनुष्य के आसपास रहना पसंद करती है। यह लगभग हर तरह की जलवायु पसंद करती है पर पहाड़ी स्थानों में कम दिखाई देती है। शहरों, कस्बों, गांवों, और खेतों के आसपास यह बहुतयात से पाई जाती है। नर गौरैया के सिर का ऊपरी भाग नीचे का भाग और गालों पर पर भूरे रंग का होता है। गला चोंच और आंखों पर काला रंग होता है और पैर भूरे होते है। मादा के सिर और गले पर भूरा रंग नहीं होता है। नर गौरैया को चिड़ा और मादा चिड़ी या चिड़िया भी कहते हैं।

गौरैया पक्षियों के पैसर वंश की एक जीव वैज्ञानिक जाति है जो विश्व के अधिकांश भागों में पाई जाती है। आरम्भ में यह एशिया, यूरोप और भूमध्य सागर के तटवर्ती क्षेत्रों में पाई जाती थी। लेकिन मानवों ने इसे विश्वभर में फैला दिया है। यह मनुष्यों के समीप कई स्थानों में रहती हैं। पिछले कुछ सालों में शहरों में गौरैया की कम होती संख्या पर चिन्ता प्रकट की जा रही है। आधुनिक स्थापत्य की बहुमंजिली इमारतों में गौरैया को रहने के लिए जगह नहीं मिल पाती। कभी बड़ी संख्या में हमारे साथ रहने वाली गौरैया अब धीरे-धीरे बहुत कम होती जा रही है। मगर जीवन की भाग दौड़ में किसी का ध्यान इनकी घाटी संख्या की तरफ नहीं जा रहा है। बच्चों की सबसे नजदीकी मित्र गौरैया जिस तेजी से कम होती जा रही है उससे लगता है आने वाले समय में यह कहीं विलुप्त ना हो जाए। इसलिए हम सबको मिलकर गंभीरता से ऐसे प्रयास करने चाहिए जिससे गौरैया को संरक्षण मिल सके और उनकी संख्या में फिर से बढ़ोतरी प्रारंभ हो सके।

गौरैया चिड़िया को घरेलू चिड़िया भी कहा जाता है। क्योंकि यह घरों के अंदर भी घोसले बनकर रह लेती है। ये मानव और प्रकृति के लिए बहुत उपयोगी है। क्योंकि यह कीड़ों को खाती है जिससे कीड़े पौधों को नुकसान नहीं पहुंचा पाते हैं। गौरैया एक ऐसी चिड़िया है जो पर्यावरण के लिए बहुत जरूरी है। इसके अलावा धर्मशास्त्र के मुताबिक गौरैया का आपकी छत पर आना आपके लिए शुभ होता है। जानकारो का कहना हैं कि यह चिड़िया शांति और सदभावना का संदेश लेकर आती है।

आंकड़े बताते हैं कि विश्व भर में घर-आंगन में चहकने-फुदकनेवाली छोटी सी प्यारी चिड़िया गौरैया की आबादी में 60 से 80 फीसदी तक की कमी आई है। ब्रिटेन की ह्यरॉयल सोसाइटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बर्ड्सह्व ने भारत से लेकर विश्व के विभिन्न हिस्सों में अनुसंधानकताओं द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर गौरैया को ह्यरेड लिस्टह्व में डाला था। वहीं आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक गौरैया की आबादी में करीब 60 फीसदी की कमी आई है। यह कमी ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में हुई है। पश्चिमी देशों में हुए अध्ययनों के अनुसार गौरैया की आबादी घटकर खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है। जबकि स्टेट ऑफ इंडियाज बर्ड्स (एसओआईबी) रिपोर्ट 2023 के मुताबिक पिछले 25 सालों में गौरैया की आबादी कुल मिलाकर काफी स्थिर रही है। हालांकि भारत में हाउस स्पैरो की संख्या कम होने की आम धारणा है। गौरैया के संरक्षण के प्रति जागरूकता को लेकर दिल्ली सरकार ने 2012 और बिहार सरकार ने 2013 से गौरैया को राजकीय पक्षी घोषित कर रखा है।

कभी हमारे घर-आंगन में गिरे अनाज को खाने गौरैया फुर्र से आती थी और दाना चुगकर उड़ जाती थी। हालांकि गांवों में आज भी कई घरों में गौरैया आ रही है। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे कई कारण हैं जिन पर लगातार शोध हो रहे हैं। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे के कारणों में आहार की कमी, बढ़ता आवासीय संकट, कीटनाशक का व्यापक प्रयोग, जीवन-शैली में बदलाव, प्रदूषण और मोबाइल फोन टावर से निकलने वाले रेडिएशन को दोषी बताया जाता रहा है।

गौरैया की संख्या में कमी के पीछे बेतहाशा कीटनाशक का प्रयोग को माना जा रहा है। गौरैया के प्रजनन के लिए अनुकूल आवास में कमी को भी इसकी संख्या में कमी का एक कारण माना जा रहा है। कच्चे घरों का तेजी से कंक्रीट के जंगलों में तब्दील होने से शहरों में इनके प्रजनन के लिए अनुकूल आवास नहीं मिलते हैं। यही वजह है कि एक ही शहर के कुछ इलाकों में ये दिखती है तो कुछ में नहीं। गौरैया संरक्षण में जुड़े लोग कृत्रिम घर बनाकर गौरैया को प्रजनन के लिए आवास देने की पहल चला रहे हैं। इसमें गौरैया अंडे देने के लिए आ भी रही हैं।

जहां तक गौरैया का सवाल है यह इन्सानों की दोस्त तथा किसानों की मददगार है। गौरैया इन्सान के साथ रहते हुए उन्हें सुख-शांति प्रदान करती हैं। बच्चों का बचपन इसके साथ खेलते हुए गुजरता है। लेकिन हम इन्सानो ने ही इसे अपने से दूर कर दिया है। भारत में पक्षियों की कुल मिलाकर 1250 प्रजातियां हैं। जिनमें से 85 प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। जिसमें गौरैया का भी नाम शामिल है। गौरैया का सुरक्षित रखना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि यह खेतों की फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को खा लेती है। जिससे किसान की फसल खराब होने से बच जाती हैं। गौरैया अपना घोंसला इंसानों के करीब बनाती है। इससे उनके घोंसले उजाड़ दिए जाते हैं। बढ़ता वायु प्रदूषण भी इन पक्षियों के लिए मुसीबत है। इसलिए जरूरी है कि हम अभी से यह समझने की कोशिश करें कि छोटी सी गौरैया हमारे जीवन के लिए कितनी अहम है। ऐसे में उसकी रक्षा हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

फ्लाइट में जज को परोसा फंगस लगा खाना, विरोध करने पर एयरलाइन क्रू ने की अभद्रता

लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली से लखनऊ आ रहे एक विमान में न्यायिक अधिकारी (जज) के साथ अभद्रता और दूषित भोजन परोसने का गंभीर मामला सामने आया है। अमरोहा में तैनात जज प्रशांत कुमार ने एयर इंडिया के क्रू मेंबर्स और कस्टमर सर्विस इंचार्ज के खिलाफ सरोजिनी नगर थाने में एनसीआर (गैर-संज्ञेय रिपोर्ट) दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विमान में उन्हें जो भोजन दिया गया, उसमें स्पष्ट रूप से फंगस लगा हुआ था और विरोध करने पर कर्मचारियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। घटनाक्रम के अनुसार, जज प्रशांत कुमार बीती 16 मार्च 2026 को एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई 1720 से दिल्ली से लखनऊ की यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान जब उन्हें भोजन परोसा गया, तो वह सड़ा हुआ था। जज का कहना है कि इस प्रकार का असुरक्षित भोजन यात्रियों के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। जब उन्होंने इस गंभीर लापरवाही की शिकायत केबिन क्रू सदस्य मनप्रीत और प्रीति से की, तो उन्होंने समस्या का समाधान करने के बजाय उनके साथ अनुचित और अभद्र व्यवहार शुरू कर दिया। विमान के लखनऊ लैंड होने के बाद भी विवाद थमा नहीं। आरोप है कि एयरलाइन के कस्टमर सर्विस कर्मचारी सुप्रियान ने भी जज के साथ बदसलूकी की और उन्हें साक्ष्य के तौर पर फंगस लगा हुआ खाना फ्लाइट से बाहर ले जाने से जबरन रोक दिया। एनसीआर में जज ने मांग की है कि यात्रियों को दूषित भोजन परोसना और शिकायत करने पर उनके अधिकारों का हनन करना एक गंभीर अपराध है। उन्होंने इस पूरे प्रकरण में एफआईआर दर्ज कर गहन जांच करने और दोषी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, जिससे विमान सेवाओं में यात्रियों की सुरक्षा और खान-पान की गुणवत्ता पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।

भारत का बड़ा दांव : रुस से तेल लेकर चीन जा रहा टैंकर... अचानक से भारत की ओर चल दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका-इजरायल में बीच छिड़े युद्ध के बाद तेल की संकट ने पूरी दुनिया को अपने गिरफ्त में ले लिया है। इस संकट के बीच भारत का दम दुनिया भर में दिख रहा है। बीते दिनों होर्मुज स्ट्रेट से भारत के दो जहाज सही सलामत गैस लेकर गुजरात के बंदरगाहों पर पहुंचे थे। अब भारत ने एक और बड़ा दांव चल दिया है। दरअसल दक्षिण चीन सागर में एक रूसी तेल से लदा टैंकर अचानक मुड़ गया। यह मूल रूप से चीन के रिजाओ बंदरगाह की ओर बढ़ रहा था, लेकिन अब तेजी से भारत की ओर आ रहा है। गौरतलब है कि भारत ने मौजूदा स्थिति में रूस से तेल आयात बढ़ाने का फैसला किया है। यह बदलाव ईरान में चल रही जंग के कारण मध्य पूर्व से तेल सप्लाई रुकने के बाद भारत की जरूरतों को पूरा करने के लिए हुआ है। एक रिपोर्ट में बताया गया हैं कि बाल्टिक सागर के एक बंदरगाह से जनवरी के अंत में उरालस क्रूड ऑयल लोड करके निकला था। शुरू में इसका डेस्टिनेशन चीन का रिजाओ पोर्ट था। लेकिन मार्च के मध्य में दक्षिण-पूर्व एशियाई पानी में पहुंचते ही टैंकर ने यू-टर्न ले लिया। अब यह 21 मार्च को न्यू मंगलौर बंदरगाह पहुंचने वाला है। डेटा के मुताबिक, अमेरिका ने भारत को रूसी तेल की खरीदारी अस्थायी रूप से बढ़ाने की छूट दी, ठीक उसी के कुछ दिन बाद यह बदलाव हुआ। इससे पहले भारत ने रूसी तेल कम खरीदना शुरू कर दिया था, जिससे कई कार्गो चीन की ओर चले गए थे। अब स्थिति बदल गई है।

गाजियाबाद मेयर का विवादित बयान...घरों में अधिक कार होने से बढ़ा रहा सड़कों पर ट्रैफिक

गाजियाबाद (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद जिले में ट्रैफिक जाम को लेकर मेयर सुनीता दयाल का विवादित बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि शहर में जाम की समस्या का मुख्य कारण लोगों के बढ़ते जीवन स्तर और घरों में अधिक कारें होना है। मेयर ने बताया कि पहले एक घर में एक ही गाड़ी होती थी, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं, इसकारण सड़कों पर दबाव बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि सड़कों का चौड़ीकरण केवल उपलब्ध जगह के अनुसार ही संभव है और लोगों के मकान तोड़कर सड़क बढ़ाना असंभव है। हालांकि, स्थानीय लोग तर्क से असहमत होकर कहते हैं कि शहर की कई मुख्य सड़कें अतिक्रमण की वजह से संकरी हो गई हैं। फुटपाथों और सड़कों के किनारे अवैध कब्जे ट्रैफिक को और बाधित करते हैं। उनका कहना है कि ट्रैफिक व्यवस्था सुधारना और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कराना प्रशासन, नगर निगम और विकास प्राधिकरण की जिम्मेदारी है। केवल लोगों के बढ़ते वाहन को दोष देना समस्या के वास्तविक कारणों से ध्यान हटाने जैसा है। शहर में रोजाना ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है। नोएडा में काम करने वाले लोग नेशनल हाईवे-9 पर जाम का सामना करते हैं, जबकि मोहननगर मार्ग से दिल्ली जाने वाले लोग जीटी रोड पर लंबी कतारों में फंसते हैं। कार्यक्रम में हाउस टैक्स पर पूछे गए सवाल पर मेयर ने कहा कि बढ़ा हुआ हाउस टैक्स लागू नहीं किया जाएगा और नगर निगम अधिकारियों को बढ़ी हुई दर पर बिल जारी करने से रोका गया है। बावजूद इसके, कई जगहों पर पहले ही बढ़ी हुई दर के बिल जारी किए जा चुके हैं। इस बयान ने गाजियाबाद में ट्रैफिक प्रबंधन और अतिक्रमण पर बहस को और तेज कर दिया है।

मुजफ्फरपुर में पुलिस और ग्रामीणों के बीच हिंसक झड़प, एक ग्रामीण की मौत, कई पुलिस वाले घायल

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के असिया गांव में पुलिस और ग्रामीणों के बीच हिंसक झड़प हुई। घटना तब हुई जब पुलिस पॉक्सो एक्ट के आरोपी भिखारी राय और अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी करने पहुंची थी। पुलिस के अनुसार, छापेमारी के दौरान आरोपी पक्ष ने शोर मचाकर ग्रामीणों को इकट्ठा किया, जिसके बाद पुलिस टीम पर पथराव किया गया और कथित रूप से फायरिंग भी की गई। स्थिति बिगड़ने पर गायघाट थानाध्यक्ष राजा सिंह ने आत्मरक्षा में गोली चलाने की बात कही है। इस घटना में ग्रामीण जगतवीर राय की गोली लगने से मौत हो गई, जबकि थानाध्यक्ष, अपर थानाध्यक्ष सहित चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायलों का इलाज एसकेएमसीएच में चल रहा है। झड़प के दौरान पुलिस के कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं मृतक के परिजनों ने पुलिस पर सीधा आरोप लगाया है कि जगतवीर राय को नजदीक से गोली मारकर हत्या की गई है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और पुलिस बल मौके पर तैनात कर दिया गया है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी से मिलने पहुंचे राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा

बस और ट्रक बॉडी मैन्युफैक्चरर्स का प्रतिनिधिमंडल भी रहा साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में बुधवार को एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और औद्योगिक बैठक देखने को मिली, जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव और सांसाद प्रियंका गांधी वाड्रा अचानक केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलने संसद भवन पहुंचे।

दरअसल, राजस्थान से बस और ट्रक बॉडी मैन्युफैक्चरर्स का प्रतिनिधिमंडल अपनी समस्याओं को लेकर बुधवार की सुबह राहुल गांधी से मिलने आया था। राजस्थान से आए इस डेलिगेशन ने व्यापार से जुड़ी नीतिगत चुनौतियों, नए नियमों के कारण बढ़ती कठिनाइयों और उद्योग पर पड़ रहे प्रभाव को विस्तार से बताया।

प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं को गंभीरता से लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तत्काल पहल की और प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ उन्हें लेकर केंद्रीय मंत्री गडकरी से मुलाकात करने पहुंचे। इस दौरान उद्योग से जुड़े मुद्दों को सीधे संबंधित मंत्री के सामने रखने का प्रयास किया गया, ताकि समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें।

बैठक हालांकि कुछ ही मिनटों तक चली, लेकिन इसमें कई अहम विषयों पर चर्चा हुई। विशेष रूप से बस और ट्रक बॉडी निर्माण उद्योग पर नए नियमों के प्रभाव, नीतिगत बदलावों की आवश्यकता और कारोबार में आ रही बाधाओं पर विचार-विमर्श किया गया। सूत्रों के अनुसार, डेलिगेशन ने केंद्र सरकार से नियमों में राहत और स्पष्ट दिशा-निर्देश देने की मांग की है, जिससे उद्योग को स्थिरता मिल सके। वहीं, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने भी समस्याओं को सुनकर उन्हें सकारात्मक रूप से देखने का आश्वासन दिया। इस मुलाकात को उद्योग और राजनीति के बीच समन्वय के एक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जहां जनप्रतिनिधियों ने सीधे तौर पर व्यापारिक समुदाय की आवाज को सरकार तक पहुंचाने का काम किया। आने वाले समय में इस बैठक के परिणामस्वरूप नीतिगत स्तर पर कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

सांसद टी राजा सिंह को फिर मिली जान से मरने की धमकी

हैदराबाद (एजेंसी)। गोशामहल विधानसभा के सांसद टी राजा सिंह को बुधवार को उनके आवास पर एक अज्ञात प्रेषक से जान से मारने की धमकी भरा पत्र मिला। पत्र में लिखा था कि राजा सिंह, 27 मार्च को आपकी आखिरी रामनवमी होगी। तेलंगाना पुलिस मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकती। जनवरी में भी बीजेपी सांसद सिंह को इसी तरह का एक पत्र मिला था, जो कथित तौर पर अब्दुल हाफिज नाम के एक व्यक्ति ने भेजा था। पत्र में अपशब्दों का प्रयोग किया गया था और दावा किया गया था कि पुलिस उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर सकती। बीजेपी नेता सिंह ने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक, आयुक्त और मुख्यमंत्री से बार-बार मिल रही धमकियों के पीछे के व्यक्ति की पहचान करने की अपील की है। सांसद सिंह ने हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी सी सज्जनार को पत्र लिखकर आगामी राम नवमी जुलूस के लिए पुलिस सुरक्षा देने से इंकार कर दिया। उन्होंने सुरक्षा से इंकार करने के कारणों के रूप में बार-बार उत्पीड़न, लाठीचार्ज और पिछले वर्ष के आयोजन के दौरान टास्क फोर्स कर्मियों द्वारा बल प्रयोग का हवाला दिया। सिंह ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में, सुरक्षा के बहाने तैनात पुलिसकर्मियों ने जुलूस को बाधित किया और कई बार श्रद्धालुओं पर लाठीचार्ज भी किया। उन्होंने अनीता टावर्स, पुराना पुल, बेगम बाजार छतरी और सिद्दीअंबर बाजार मस्जिद के पास हुई घटनाओं का जिक्र किया, जिनसे श्रद्धालुओं में भय और तनाव का माहौल बना।

क्या गंगा नदी में रोजा इफ्तार नहीं कर सकते... अखिलेश ने उठाए सवाल

-5-स्टार जहाज को लेकर योगी सरकार को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। काशी में गंगा नदी में नाव पर रोजा इफ्तार करने वाले मुस्लिम युवकों की गिरफ्तारी पर सियासत शुरू हो चुकी है। सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने पूछा है कि क्या गंगा में रोजा इफ्तार नहीं कर सकते? डीएम, एसपी और एसओ को इफ्तारी देनी चाहिए थी। हथेली गरम....तब पुलिस नरम। उन लोगों ने हथेली गरम नहीं की होगी, इसकारण उन पर कार्रवाई हुई। इस दौरान अखिलेश का इशारा रिश्वत की तरफ था।

वहीं कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने भी योगी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यूपी पुलिस कानून के दुरुपयोग का कीर्तिमान बनाना चाहती है। उन्होंने लिखा कि पुलिस मुसलमानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए उतावली दिख रही है। युवाओं का एक समूह नाव में बैठकर इफ्तार कर रहा था। बस इतने से किसी छुटभैये नेता की भावना आहत हो गई। उसकी तहरीर पर पुलिस ने 14 युवाओं को गिरफ्तार कर लिया। नरेन्द्र मोदी जी क्या यही है सबका साथ, सबका विकास का नारा। जिसमें मुसलमानों के नमाज पढ़ने और इफ्तार करने पर मुकदमा दर्ज होगा। वहीं, भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि गंगा की पवित्रता से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। दरअसल, बनारस में गंगा नदी में नाव पर इफ्तार पार्टी हुई थी। इसका वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर 14 मुस्लिम युवकों को गिरफ्तार किया था। लखनऊ में इफ्तार पार्टी में पहुंचे अखिलेश ने कहा कि ये सब हमारे-आपके बीच में दूरियां पैदा करने के लिए किया जा रहा है। प्रशासन ऐसी कार्रवाई कर यूपी सरकार को खुश करने के लिए कर रहा। एक 5-स्टार जहाज चला था। उसमें महंगी-महंगी शराब थी। उसके टॉयलेट का वेस्ट गंगा में जा रहा था। उस जहाज के मालिक पर क्या कार्रवाई हुई? उस समय जो गड्ढे खोदकर छोड़ गए थे, उसकी गंदगी गंगा में पहुंची। उस पर क्या एक्शन हुआ?

उत्तराखंड में धामी सरकार 51 रोपवे प्रोजेक्ट्स विकसित करने की योजना में

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में धामी सरकार राज्यभर में 51 रोपवे प्रोजेक्ट्स विकसित करने की योजना पर काम कर रही है। करीब 160.75 किलोमीटर लंबे इस मास्टरप्लान के तहत पहाड़ों के कई धार्मिक और पर्यटन स्थलों को रोपवे से जोड़ने की तैयारी है। इन 51 में से 2 रोपवे प्रोजेक्ट्स पर फिलहाल काम तेजी से काम हो रहा है, जबकि केदारनाथ और हेमकुंड साहिब सहित 4 मेगा रोपवे प्रोजेक्ट्स पर जल्द निर्माण कार्य शुरू होने की तैयारी है। इसके अलावा कई अन्य रोपवे प्रोजेक्ट्स फिलहाल डीपीआर और प्री-फिजिबिलिटी स्टडी के चरण में हैं, जिन पर उत्तराखंड रोपवे डेवलपमेंट लिमिटेड (यूआरडीएल) के जरिए आगे की प्रक्रिया चल रही है। प्रस्तावित नेटवर्क में सबसे ज्यादा रोपवे पौड़ी जिले में बनने का प्लान है। उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड के इंफ्रास्ट्रक्चर

निदेशक दीपक खंडूरी के मुताबिक रोपवे उन स्थानों तक पहुंच का बेहतर विकल्प हैं जहां सड़क बनाना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि इन प्रोजेक्ट्स से तीर्थ यात्रियों की यात्रा आसान होगी और लोकल स्तर पर पर्यटन व रोजगार के नए अवसर भी बढ़ने है। उन्होंने बताया कि देहरादून के पुरकुल से मसूरी के लाइब्रेरी चौक तक बनने वाला यह रोपवे राज्य के प्रमुख प्रोजेक्ट्स में शामिल है। करीब 285 करोड़ रुपए की लागत से इसका निर्माण हो रहा है। परियोजना का लगभग 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसमें 10 यात्रियों की क्षमता वाले 71 केबिन लगाए जाएंगे और देहरादून से मसूरी तक का सफर करीब 20 मिनट में पूरा होगा। इस साल के अंत तक शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं चंपावत जिले में पूर्णागिरी मंदिर तक पहुंच आसान बनाने के लिए यह रोपवे बनाया जा रहा है। करीब 35 करोड़ रुपये की लागत वाली योजना का निर्माण कार्य जारी है। इस 30 मई 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड के इंफ्रास्ट्रक्चर निदेशक खंडूरी ने इन परियोजनाओं के दूरगामी फायदों पर प्रकाश डाला है। उनके अनुसार रोपवे के माध्यम से उन दुर्गम पहाड़ियों तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा, जहां सड़क मार्ग बनाना भौगोलिक और पर्यावरणीय दृष्टि से कठिन है। केदारनाथ, यमुनोत्री और हेमकुंड साहिब जैसे कठिन ट्रेक वाले स्थानों पर बुजुर्गों और बीमार यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक सफर मिलेगा। पहाड़ों पर वाहनों के धुएं से प्रदूषण बढ़ रहा है।

त्यागी के इस्तीफे पर राजद सांसद का दावा...देखते जाइए जेडीयू में जल्द भगदड़ मचने वाली

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक ओर राज्यसभा जा रहे हैं। दूसरी ओर उनके पुराने साथ रहे केसी त्यागी ने भी जेडीयू का साथ छोड़ दिया है। 22 मार्च को वे बैठक कर आगे की रणनीति पर चर्चा करने वाले है। इस बीच आरजेडी के सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव ने बड़ा दावा किया है। बीते दिनों सांसद यादव जहानाबाद में विधायक राहुल कुमार की ओर से आयोजित इफ्तार पार्टी में पहुंचे थे। जहां उन्होंने कहा कि त्यागी उम्र और रिश्ते में बड़े हैं, इसलिए उनका सम्मान करते हैं, लेकिन उनके इस्तीफे के बाद जेडीयू में जल्द भगदड़ मचने वाली है। आरजेडी सांसद ने दावा कर कहा कि थोड़ा इंतजार कर लीजिए, जेडीयू में भगदड़ मचेगी। अगर ऐसा नहीं हुआ तब मैं खुद सांसद पद से इस्तीफा देकर राजनीति भी छोड़ दूंगा। सांसद यादव ने कहा कि एनडीए के 25 साल के शासन के बावजूद बिहार में आज भी असली जंगलराज बरकरार है। यह डर पैदा करने वालों का राज है। उन्होंने सत्ता पक्ष पर हमला करते हुए कहा कि ये लोग जंगलराज के नाम पर ही चुनाव जीतने की रणनीति बना चुके हैं। जनता को गुमराह कर रहे हैं। आरजेडी सांसद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाया कि केंद्र में 11 साल से सरकार होने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने अब तक प्रेसवार्ता क्यों नहीं की? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को जनता के बीच आकर सीधे सवालों का जवाब देना चाहिए।

कांशीराम को भारत रत्न की मांग पर गरमाई यूपी की सियासत, मायावती ने कांग्रेस-सपा को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजनीति इन दिनों बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम के इर्द-गिर्द सिमटती नजर आ रही है। आगामी विधानसभा चुनावों की आहट के बीच दलित मतों को साधने की होड़ में विपक्षी दलों और सत्ता पक्ष के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। हाल ही में 15 मार्च को कांशीराम की 93वीं जयंती के अवसर पर कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से उन्हें भारत रत्न देने की मांग की, जिसने राज्य के सियासी पारे को बढ़ा दिया है।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर दलितों के उत्थान में कांशीराम के योगदान को रेखांकित किया और उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजने का आग्रह किया। हालांकि, कांग्रेस की इस पहल पर बसपा प्रमुख मायावती ने कड़ी आपत्ति जताई है। मायावती ने राहुल गांधी की मांग को बेतुका करार देते हुए कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब उन्होंने कांशीराम को सम्मानित क्यों नहीं

किया? उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी दोनों को दलित विरोधी बताते हुए आरोप लगाया कि ये दल केवल चुनावों के वक्त बहुजन नायकों को याद करते हैं।

मायावती ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा और कांग्रेस के पास अब अपने कोई महान नेता नहीं बचे हैं, इसलिए वे बसपा के महापुरुषों के नाम पर वोट बटोरने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि जब कांशीराम जीवित थे, तब इन्हीं पार्टियों ने उन्हें हमेशा नजरअंदाज किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा और कहा कि अखिलेश यादव द्वारा हर जिले में कांशीराम जयंती को पीडीए दिवस के रूप में मनाना महज एक अवसरवादी कदम है। मायावती के अनुसार, बसपा शासनकाल में कांशीराम के सम्मान में किए गए कार्यों को सपा सरकार ने ही पलटने का काम किया था। सत्ता पक्ष की ओर से भी इस मामले पर प्रतिक्रिया आई है। यूपी के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए पूछा कि दशकों तक सत्ता में रहने के दौरान कांग्रेस को कांशीराम की याद क्यों नहीं आई? दूसरी ओर, मायावती ने अपने समर्थकों को आगाह करते हुए कहा कि ये पार्टियां बसपा को खत्म करने की सोची-समझी रणनीति के तहत काम कर रही हैं। उन्होंने चमचा युग पुस्तक का जिक्र करते हुए विपक्षी दलों के साथ जुड़े दलित नेताओं को भी आड़े हाथों लिया। उत्तर प्रदेश में एक साल बाद होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले कांशीराम के सम्मान को लेकर शुरू हुआ यह विवाद आने वाले दिनों में और गहराने के आसार हैं।

रिटायर्ड अफसर को दस दिन तक रखा डिजिटल अरेस्ट, 1.05 करोड़ रुपए भी ठगे

खुद को सीबीआई अधिकारी बता मनी लॉन्ड्रिंग में फंसाने और गिरफ्तार करने की दी धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई, (ईएमएस)। देश में साइबर क्राइम दिन ब दिन बढ़ते ही जा रहे हैं और लोगों की मेहनत की कमाई ठग बड़ी चालाकी से अपने बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला मुंबई के दादर इलाके से सामने आया यहां एक बुजुर्ग नागरिक को 10 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट करके उससे 1.05 करोड़ रुपए ठगने का मामला सामने आया है। सेवानिवृत्त अधिकारी श्रेयष परलकर (71) से ठगों ने खुद को सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बताकर मानसिक दबाव और डर दिखाकर ठगी को अंजाम दिया।

मीडिया रिपोर्ट में पीड़ित के मुताबिक 4 मार्च को उन्हें एक अनजान नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को ट्राई के दिल्ली मुख्यालय का अधिकारी बताया। उसने दावा किया कि पीड़ित के आधार कार्ड का इस्तेमाल कर एक नया मोबाइल नंबर जारी किया गया है, जिसका इस्तेमाल अवैध मैसेज और उत्पीड़न के लिए किया जा रहा है। इसके बाद कॉल को फर्जी सीबीआई अधिकारियों के पास ट्रांसफर किया। अलग-अलग लोगों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर पीड़ित को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसाने और गिरफ्तार करने की धमकी दी। ठगों ने भरोसा जीतने के लिए फर्जी कोर्ट ऑर्डर, अरेस्ट वारंट और सरकारी लेटरहेड तक व्हाट्सऐप पर भेजे। रिपोर्ट के मुताबिक ठगों ने पीड़ित को यह कहकर डिजिटल अरेस्ट किया कि वह जांच के दायरे में हैं और कहीं बाहर संपर्क नहीं कर सकते। उन्हें एक मैसेजिंग ऐप डाउनलोड कराकर हर दो घंटे में मैं सुरक्षित हूं जैसी रिपोर्ट भेजने को कहा। इस दौरान उन्हें बार-बार डराया गया और सहयोग न करने पर गिरफ्तारी की धमकी दी गई। ठगों ने पीड़ित से उनकी बैंक डिटेल, निवेश और बचत की पूरी जानकारी हासिल की। इसके बाद फंड वेरिफिकेशन के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया।

रिपोर्ट के मुताबिक 6 मार्च से 12 मार्च के बीच पीड़ित ने चार अलग-अलग ट्रांजेक्शन में कुल 1.05 करोड़ रुपए ट्रांसफर कर दिए। 15 मार्च को पीड़ित के बेटे ने उनका मोबाइल चेक किया, तब पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। इसके बाद तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों और संबंधित बैंक खाताधारकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भारतीय नौसेना ने तैयार किया अभेद्य समुद्री सुरक्षा कवच कच्चे तेल और गैस के टैंकरों को मिल रही पूरी सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक तेल आपूर्ति पर मंडराते खतरों को देखकर भारतीय नौसेना ने देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक अभेद्य समुद्री सुरक्षा कवच तैयार कर लिया है। इस रणनीतिक मिशन के तहत, नौसेना ने उत्तरी अरब सागर में दो विशेष टास्क फोर्स तैनात की हैं, जो भारत आने वाले कच्चे तेल और गैस के टैंकरों को संवेदनशील मार्गों से सुरक्षित बाहर निकालने के लिए निरंतर एस्कॉर्ट प्रदान कर रही हैं। यह अभियान न केवल व्यापारिक जहाजों को संभावित हमलों या अवरोधों से बचाता है, बल्कि वैश्विक शिपिंग गलियारों में अनिश्चितता के बीच भारत की एनर्जी लाइफलाइन को बनाए रखता है। 2019 से इस क्षेत्र में अपनी सक्रिय उपस्थिति रख रही भारतीय नौसेना की यह त्वरित तैनाती भारत के उस कड़े संकल्प को दिखाती है, जहाँ वह अपनी अर्थव्यवस्था को किसी भी बाहरी दबाव या आपूर्ति में होने वाली रुकावट से सुरक्षित रखने के लिए हर स्तर पर तैयार है।

नौसेना के अधिकारियों ने बताया कि नौसेना ने उत्तरी अरब सागर में दो टास्क फोर्स तैनात की हैं, ताकि भारत आने वाले व्यापारिक जहाजों और टैंकरों का सुरक्षित आवागम मिल सके। सुरक्षा अभियान पिछले सप्ताह शुरू हुए थे, जिसमें नौसैनिक जहाज संवेदनशील हिस्सों से गुजरते समय जहाजों के साथ चलते हैं और फिर उन्हें भारतीय बंदरगाहों की ओर निर्देशित करते हैं। नौसेना वाणिज्यिक शिपिंग को पूरी सुरक्षा प्रदान कर रही है, जिसका उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आसपास बढ़ते जोखिमों के बीच आपूर्ति में किसी भी रुकावट को रोकना है।

यह तैनाती भारत की ऊर्जा जीवनरेखाओं को सुरक्षित करने के प्रयास का हिस्सा है, क्योंकि देश के कच्चे तेल और गैस आयात का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से होकर जाता है।

अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान मिशन व्यापक समुद्री सुरक्षा ग्रिड का हिस्सा है, इस प्रमुख समुद्री मार्गों की रक्षा करने और ऊर्जा आपूर्ति के निर्बाध प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल पारगमन बिंदुओं में से एक बना हुआ है, जिससे इस क्षेत्र में कोई भी अस्थिरता भारत की अर्थव्यवस्था के लिए प्रत्यक्ष चिंता का विषय बन जाती है।

बात दें कि नौसेना 2019 से समुद्री डकैती विरोधी और समुद्री सुरक्षा अभियानों के हिस्से के रूप में, ओमान की खाड़ी और अदन की खाड़ी सहित आस-पास के जलक्षेत्रों में अपनी निरंतर उपस्थिति बनाए हुए है। यह नवीनतम तैनाती उन प्रयासों को आगे बढ़ाती है, और बढ़ते तनाव के बीच

नौसेना की परिचालन पहुंच का विस्तार करती है।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का रुख फिर निगेटिव हो, बाजार से निकाले 86,285 करोड़

-विशेषज्ञ बोले- हालात जैसे ही सामान्य होंगे, विदेशी निवेश फिर स्थिर हो सकता है

नई दिल्ली,। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारतीय शेयर बाजार में मार्च महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों यानी एफपीआई का रुख फिर से निगेटिव हो गया है। ब्रोकरेज फर्म एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग के मुताबिक जब तक यह भू-राजनीतिक तनाव बना रहेगा, तब तक विदेशी निवेश में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे ही हालात सामान्य होंगे, विदेशी निवेश फिर स्थिर हो सकते हैं। इसके पीछे भारत के मजबूत आर्थिक हालात, बेहतर ग्रोथ की उम्मीद और विकसित देशों के मुकाबले ठीक-ठाक वैल्यूएशन को वजह माना जा रहा है।आंकड़ों के मुताबिक इस साल अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से करीब 86,285 करोड़ रुपए निकाले हैं। साल 2025 में भी कुल मिलाकर 1.66 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की बिकवाली हुई। वहीं 2026 में जनवरी महीने में एफपीआई ने 35,962 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, लेकिन फरवरी में उन्होंने वापसी करते हुए 22,615 करोड़ का निवेश किया, जो सितंबर 2024 के बाद सबसे ज्यादा था। विदेशी निवेश की बिकवाली का असर बाजार पर साफ नजर आया। इस साल अब तक निफ्टी 50 करीब 9.7 फीसदी गिर चुका है। वहीं सेंसेक्स में भी करीब 10.7 फीसदी की गिरावट आई। मार्केट कैप में भी करीब 22 लाख करोड़ रुपए की कमी आई है।रिपोर्ट के मुताबिक म्यूचुअल फंड और विदेशी निवेशक दोनों ही इस समय कैपेक्स से जुड़े सेक्टर जैसे कैपिटल गुड्स, पावर और सीमेंट से दूरी बनाए हुए हैं। वहीं दूसरी ओर ऑटो, उपभोक्ता सामान और एफएमसीजी जैसे सेक्टरों में इनकी रुचि ज्यादा है। फाइनेंशियल सेक्टर को लेकर भी पहले की तुलना में निगेटिव रुख कम हुआ है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि म्यूचुअल फंड और विदेशी निवेशकों की रणनीति कई सेक्टरों में अलग-अलग है। फरवरी में म्यूचुअल फंड ने आईटी, टेलीकॉम, सीमेंट और कंज्यूमर सर्विसेज में निवेश बढ़ाया, जबकि मेटल, पावर, ऑटो और ऑयल-गैस सेक्टर में हिस्सेदारी घटाई। वहीं विदेशी निवेशक कैपिटल गुड्स, मेटल और पावर सेक्टर में ज्यादा खरीदार रहे, जबकि आईटी सेक्टर में उन्होंने अपनी हिस्सेदारी कम कर दी।पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच विदेशी ब्रोकरेज फर्मों ने भी निफ्टी के टारगेट घटा दिए हैं। नोमुरा ने अब निफ्टी का टारगेट 24,900 रखा है, जो पहले 29,300 था। वहीं सिटी रिसर्च ने भी 2026 के लिए अपना टारगेट 5.2 फीसदी घटाकर 27,000 कर दिया है। नोमुरा के मुताबिक इस उतार-चढ़ाव के दौर में कोयला, तेल उत्पादन, हेल्थकेयर, फार्मा, एफएमसीजी और टेलीकॉम सेक्टर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। हालांकि, हेल्थकेयर और एफएमसीजी सेक्टर में वैल्यूएशन अभी थोड़ा महंगा माना जा रहा है।

नाटो से मदद न मिलने पर भड़के ट्रंप बोले- अकेले लड़ेंगे, चीन का दौरा भी टाल दिया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस महीने के अंत में होने वाला अपना प्रस्तावित चीन दौरा आधिकारिक रूप से टाल दिया है। ईरान के साथ जारी युद्ध और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में आए गतिरोध के बीच व्हाइट हाउस ने यह बड़ा फैसला लिया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए स्पष्ट किया कि अब वह अगले पांच या छह हफ्तों में चीन की यात्रा कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने इस देरी के महत्व को कम बताते हुए कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनके कामकाजी और व्यक्तिगत रिश्ते बहुत मजबूत हैं और शी जिनपिंग भी उनसे मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस दौरे के टलने के पीछे की असली वजह होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उपजा विवाद माना जा रहा है। ट्रंप ने पहले संकेत दिया था कि उनकी चीन यात्रा इस बात पर निर्भर करेगी कि बीजिंग होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खुलवाने में वाशिंगटन की मदद करता है या नहीं। गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के जवाब में ईरान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस समुद्री मार्ग को बाधित कर दिया है। हालांकि, चीन के विदेश मंत्रालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि ट्रंप के दौरे का इस समुद्री मार्ग के विवाद से कोई लेना-देना नहीं है। इतना ही नहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर अपनी भड़ास निकालते हुए नाटो और अपने अन्य प्रमुख सहयोगियों पर भी निशाना साधा है। ट्रंप ने दावा किया कि उनके अधिकतर नाटो सहयोगियों ने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान में शामिल होने और होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा में मदद करने के अमेरिकी आह्वान को ठुकरा दिया है। ट्रंप ने इसे एकतरफा व्यवस्था करार देते हुए कहा कि अमेरिका हर साल इन देशों की सुरक्षा पर अरबों डॉलर खर्च करता है.

सोने और चांदी में आई नरमी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजारों में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। आज दोनो के ही वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सुबह के समय सोने के वायदा भाव 1,55,750 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,51,000 रुपये के करीब कामकाज कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी इन दोनो ही कीमती धातुओं में कारोबार रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध आज 327 रुपये टूटकर 1,55,658 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इससे पिछला बंद भाव 1,55,985 रुपये था। एक समय ये अनुबंध 201 रुपये की गिरावट के साथ 1,55,784 रुपये के स्तर पर कामकाज कर रहा था। इस समय इसने 1,55,784 रुपये के भाव पर दिन के उच्च स्तर और 1,55,600 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचेदूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध आज 1,615 रुपये नीचे आकर 2,51,498 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,53,113 रुपये था। एक समय ये अनुबंध 2,107 रुपये की गिरावट के साथ 2,51,006 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। ये 2,51,498 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 2,50,919 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा।

चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में नरमी रही है। कामेक्स पर सोना आज 5,010.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 5,008.20 डॉलर प्रति औंस था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे जबकि कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 79.39 डॉलर के भाव पर खुले। इस पिछला बंद भाव 79.92 डॉलर था।

इंफोसिस जारी करेगी तिमाही के नतीजे, अप्रैल की बैठक में फाइनल डिविडेंड पर होगा विचार

नई दिल्ली,

आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी इंफोसिस जल्द ही अपने चौथी तिमाही के नतीजे जारी करेगी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया है कि उसके बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक 22 और 23 अप्रैल 2026 को होगी। इस बैइक में कंपनी मार्च 2026 को खत्म हुए वित्त वर्ष के चौथी तिमाही और पूरे साल के ऑडिटेड नतीजों को मंजूरी देगी। माना जा रहा है कि कंपनी 23 अप्रैल को शाम के आसपास अपने नतीजे जारी कर सकती है, जैसा कि पहले भी होता रहा है।इंफोसिस ने यह भी संकेत दिया है कि इस बैठक में शेयरधारकों के लिए फाइनल डिविडेंड पर भी विचार किया जा सकता है। हालांकि डिविडेंड की राशि क्या होगी, इसका फैसला बैठक में ही होगा। कंपनी ने बताया कि सेबी के नियमों के तहत ट्रेडिंग विंडो 16 मार्च 2026 से बंद कर दी गई है। इस दौरान कंपनी से जुड़े लोग शेयरों की खरीद-फरोख्त नहीं कर सकते। इंफोसिस 23 अप्रैल को अपने नतीजों के बाद निवेशकों और विश्लेषकों के साथ कॉल भी करेगी। कंपनी का शेयर 1232.50 रुपए पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से करीब 1.37 फीसदी कम है। पिछले एक हफ्ते में शेयर करीब 4.87 फीसदी गिरा है, नजर 23 अप्रैल पर टिकी हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 633, निफ्टी 196 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आज आईटी और रियल्टी शेयरों में आये उछाल से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 633.29 अंक बढ़कर 76,704.13 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 196.65 अंक ऊपर आकर 23,777.80 पर बंद हुआ। आज व्यापक बाजारों ने बेहतर प्रदर्शन किया और निफ्टी मिडकैप में 2.02 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.67 फीसदी की बढ़त आई। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी मीडिया, निफ्टी आईटी और निफ्टी रियल्टी में भी तेजी रही। । इसके अलावा, निफ्टी ऑटो , निफ्टी बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में बढ़त दर्ज की गई। जबकि निफ्टी एफएमसीजी में मामूली गिरावट रही। निफ्टी में टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, इंफोसिस, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टीसीएस, एक्सिस बैंक, इंडिगो, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस और अदाणी इंटरप्राइजेज के शेयरों में सबसे ज्यादा उछाल आया। वहीं सिप्ला, एचयूएल, कोल इंडिया, एनटीपीस, सनफार्मा, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, अपोलो हॉस्पिटल्स और हिंडाल्को के शेयर गिरे। सेंसेक्स में आई इस तेजी से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में लगभग 5 लाख करोड़ रुपए की बढ़त आई। जिससे यह पहले के 433 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 438 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में ही बाजार में उछाल देखने में आया। आईटी और वाहन कंपनियों के शेयरों में खरीददारी से प्रमुख सूचकांक में उछाल आया। सुबह सेंसेक्स करीब 200 अंकों की बढ़त के साथ ही 76,257 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया जबकि निफ्टी भी 65 अंकों से अधिक की तेजी के साथ खुलकर 23,646 तक पहुंचा।

निफ्टी में जिन कंपनियों के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त तेजी आई उसमें टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज, विप्रो और श्रीराम फाइनेंस शामिल रहे। इन शेयरों में अच्छी खरीदारी से सूचकांक उछला। आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। वैश्विक संकेतों का प्रभाव भी घरेलू बाजार पर दिखा। निवेशकों की नजरें अब अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरन रिजर्व पर टिकी हैं। माना जा रहा है कि इस बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया किया जाएगा। एशियाई बाजारों में भी अच्छा माहौल रहा। जापान का निकेई 225 2 फीसदी से अधिक की बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आया।

वहीं आंकड़ों के अनुसार फरवरी में जापान के निर्यात में सालाना आधार पर 4.2 फीसदी की बढ़ोतरी रही। दक्षिण कोरिया का क्रोस्पी लगभग 4 फीसदी की जोरदार बढ़त के साथ क्षेत्रीय बाजारों में सबसे आगे रहा। वहीं चीन का सीएसआई 300 और हांगकांग का हेंग सेंग भी हल्की बढ़त के साथ कारोबार करते दिखा। दूसरी ओर अमेरिकी बाजारों की बात करें तो वॉल स्ट्रीट में भी सकारात्मक माहौल रहा। एसएंडपी 500 और डॉओ जोंस इंडस्ट्रीयल औसत हल्की बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि नेसडेक कंपोजिट में भी अच्छी तेजी आई।

80,800 मिट्रिक टन कच्चा तेल लेकर होर्मुज पार कर भारत पहुंचा जहाज

ईरान ने होर्मुज को अमेरिकी और इजराइली जहाजों के लिए बंद कर रखा है

नई दिल्ली,। पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के तनावपूर्ण जलमार्ग को सफलतापूर्वक पार कर भारत का एक और अहम क्रूड ऑयल टैंकर सुरक्षित गुजरात पोर्ट पर पहुंचा। भारतीय झंडे वाले जहाज जग लाडकी ने यूएई के फुजैराह पोर्ट से करीब 80,800 मेट्रिक टन मुर्बन क्रूड ऑयल लेकर गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर बुधवार को डॉक किया।मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि जग लाडकी रविवार को फुजैराह से रवाना हुआ था। जहाज फुजैराह सिंगल पॉइंट मूरिंग पर क्रूड लोडिंग कर रहा था, तभी शनिवार को ईरान ने फुजैराह ऑयल टर्मिनल पर ड्रोन हमला किया। हमले से आग लगी और कुछ लोडिंग ऑपरेशंस अस्थायी रूप से प्रभावित हुए, लेकिन जग लाडकी और उस पर सवार सभी भारतीय नाविक सुरक्षित रहे।हमले के अगले दिन ही जहाज ने सुरक्षित रूप से होर्मुज पार कर भारत की ओर बढ़ा। यह जहाज युद्ध क्षेत्र से बिना किसी नुकसान के निकलने वाला चौथा भारतीय ध्वज वाला जहाज है। इससे पहले दो भारतीय एलपीजी कैरियर शिवालिक और नंदा देवी ने शनिवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार किया था, जिनमें कुल 92,712 टन एलपीजी लदा था। शिवालिक मुंद्रा पहुंच चुका है, जबकि नंदा देवी कांडला बंदरगाह पर पहुंचा है। शुक्रवार को ओमान के सोहर पोर्ट से टैंजानिया जा रहा एक और भारतीय टैंकर जग प्रकाश भी गैसोलीन लेकर सुरक्षित निकला था।

ईरान ने होर्मुज को अमेरिकी और इजराइली जहाजों के लिए ब्लॉक कर दिया है, लेकिन भारतीय ध्वज वाले जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग की गारंटी दी है। ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची ने घोषणा की कि यह चोकपॉइंट अमेरिका और इजराइल के जहाजों के लिए बंद रहेगा। भात कही थी।

गैलेक्सी ए 37 और गैलेक्सी ए57 के लांच की तैयारी

नई दिल्ली ।

सैमसंग कंपनी अपने दो नए स्मार्टफोन सैमसंग गैलेक्सी ए 37 और सैमसंग गैलेक्सी ए57 जल्द लॉन्च हो सकते है। इनके हैंड्स-ऑन वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आ गए हैं। इन वीडियो को एक्स पर एक यूज ने शेयर किया है, जिससे फोन्स के डिजाइन और कुछ फीचर्स के बारे में अहम जानकारी मिली है।वीडियो के अनुसार दोनों स्मार्टफोन ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप के साथ आएंगे, जिसमें कैमरे वर्टिकल लाइन में लगाए गए हैं। फोन के राइट साइड में पावर और वॉल्यूम बटन के साथ कंपनी का खास 'की इस्लेंड' डिजाइन भी देखने को मिलता है। दोनों डिवाइस फुल एचडी प्लस अमोलेड डिस्प्ले और 120 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ पेश किए जा सकते हैं। लीक वीडियो में सैमसंग गैलेक्सी ए 37 का ग्रीन कलर वेरिएंट दिखाई दिया है। यह फोन फ्लैट डिस्प्ले और अपेक्षाकृत मोटे बेजल्स के साथ आ सकता है। डिस्प्ले में सेल्फी कैमरे के लिए पंच-होल कटआउट दिया गया है। इसके पीछे की तरफ ट्रिपल कैमरा यूनिट और एलईडी फ्लैश मौजूद है। वहीं फोन के निचले हिस्से में सैमसंग का लोगो भी दिखाई देता है। दिया जा सकता है। साथ ही ये स्मार्टफोन आईपी 68 रेटिंग के साथ आ सकते हैं। प्रोसेसर के तौर पर सैमसंग गैलेक्सी ए57 में एक्सीनोस 1680 और सैमसंग गैलेक्सी ए 37 में एक्सीनोस 1480 चिपसेट मिलने की संभावना है।

सरकारी बॉन्ड बाजार में खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढ़ रही, एक साल में 4 गुना बढ़ा निवेश

नई दिल्ली,। भारतीय निवेशकों ने पिछले एक साल में सरकारी सिक्के योरिटीज में जमकर निवेश किया है। रिजर्व बैंक की ओर से जारी रिटेल डायरेक्ट के आंकड़ों से पता चलता है कि सरकारी बॉन्ड बाजार में खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढ़ रही है और सेकंडरी बाजार की गतिविधियों में वृद्धि देखी जा रही है। आरबीआई रिटेल डायरेक्ट मंच पर सेकंडरी बाजार खंड में कारोबार की मात्रा पिछले एक साल में 3.7 गुना बढ़ गई है। यह सरकारी प्रतिभूतियों में व्यक्तिगत निवेशकों की बढ़ती रुचि को दर्शाता है। रिटेल डायरेक्ट मंच के जरिए आसान पहुंच और बेहतर नकदी से इसे समर्थन मिल रहा है।

आंकड़ों के मुताबिक आरबीआई रिटेल डायरेक्ट मंच पर कुल कारोबार की मात्रा 16 मार्च, 2026 को बढ़कर 8,211.91 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले 1,756.08 करोड़ रुपए थी। रॉकफोर्ट फिनकैप एलएलपी के संस्थापक और प्रबंध भागीदार वेंकटकृष्णन श्रीनिवासन ने कहा कि सबसे उल्लेखनीय सेकंडरी बाजार में कारोबार की मात्रा में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। यह दर्शाता है कि खुदरा निवेशक प्राथमिक सदस्यता तक ही सीमित रहने के बजाय सरकारी प्रतिभूतियों में खरीद-बिक्री करने में धीरे-धीरे ज्यादा सहज हो रहे हैं। कुल कारोबार में केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों का हिस्सा सबसे ज्यादा 8,059.96 करोड़ रुपए था। इसके बाद राज्य सरकार की प्रतिभूतियों का कारोबार 82.23 करोड़ रुपए, ट्रेजरी बिल 59.95 करोड़ रुपए और सरकारी गोल्ड बॉन्ड का कारोबार 9.77 करोड़ रुपए रहा।आरबीआई की रिटेल डायरेक्ट योजना खुदरा निवेशकों को सीधे मंच के जरिए सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने में मदद करती है। श्रीनिवासन ने कहा कि राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में अपेक्षाकृत कम भागीदारी आश्चर्यजनक है, क्योंकि राज्य विकास ऋण आमतौर पर सरकारी प्रतिभूतियों की तुलना में 0.50 से 0.80 फीसदी का ज्यादा रिटर्न देते हैं। इससे संकेत मिलता है कि खुदरा निवेशक अतिरिक्त रिटर्न की तुलना में नकदी और पारदर्शिता को प्राथमिकता दे रहे हैं।बॉन्ड प्रतिफल 6.7118 फीसदी पर है।

वनप्लस नोर्ड 6 और वनप्लस नोर्ड सीई 6 जल्द होगा लांच

नई दिल्ली।

वनप्लस अपने नए स्मार्टफोन वनप्लस नोर्ड 6 और वनप्लस नोर्ड सीई 6 को लॉन्च करने की तैयारी में है। नोर्ड सीई 6 को भारत के बीआईएस प्लेटफॉर्म पर देखा गया है, जिससे संकेत मिलता है कि यह फोन जल्द भारतीय बाजार में पेश किया जा सकता है। वहीं नोर्ड 6 को कई अंतरराष्ट्रीय सर्टिफिकेशन वेबसाइट्स पर स्पॉट किया गया है, जिससे इसके भी जल्द लॉन्च होने की संभावना जताई जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक नोर्ड 6 को 2026 की पहली तिमाही के आसपास पेश किया जा सकता है। कंपनी आमतौर पर अपनी नोर्ड सीरीज के नए मॉडल समर इवेंट के दौरान लॉन्च करती है, इसलिए संभावना है कि यह स्मार्टफोन भी इसी समय बाजार में आए। लीक्स के मुताबिक वनप्लस नोर्ड 6 में 6.78 इंच की अमोलेड डिस्प्ले दी जा सकती है, जो 1.5के रेजोल्यूशन और 165 एचझेड तक रिफ्रेश रेट को सपोर्ट कर सकती है। इसमें पावरफुल स्नैपड्रेगन 8एस जेन 4 प्रोसेसर मिलने की उम्मीद है, जो बेहतर परफॉर्मेंस देने में सक्षम होगा। कैमरा सेटअप की बात करें तो इसमें 50 मेगापिक्सल का मुख्य रियर कैमरा और लगभग 16 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा मिल सकता है। इसके अलावा फोन में 9000 एमएएच तक की बड़ी बैटरी दिए जाने की भी चर्चा है।

दूसरी ओर वनप्लसनोर्ड सीई 6 6 में करीब 6.78 इंच की फुल एचडी+ ओलेड डिस्प्ले मिलने की संभावना है, जो 144एचझेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट कर सकती है। इसमें स्नैपड्रेगन 8एस जेन 4 या स्नैपड्रेगन 7 सीरीज का नया चिपसेट दिया जा सकता है। कैमरे के तौर पर इसमें 50 मेगापिक्सल का मुख्य रियर कैमरा और लगभग 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा मिलने की उम्मीद है। कीमत की बात करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक नोर्ड सीई 6 की कीमत करीब 26,000 से 27,000 रुपये के बीच हो सकती है, जबकि नोर्ड 6 की कीमत लगभग 30,000 से 35,000 रुपये के आसपास रहने का अनुमान है।

वैश्विक तेल बाजार में उबाल, 100 डॉलर के पार पहुंचा कच्चा तेल, भारत में अभी भी राहत

नई दिल्ली,। ईरान और इजरायल के बीच छिड़े भीषण युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में कोहराम मचा दिया है। मिडिल-ईस्ट से उठ रही युद्ध की लपटों के बीच कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उबाल देखा जा रहा है। 23 फरवरी 2026 तक जो कीमतें वैश्विक स्तर पर सामान्य थीं, उनमें अब भारी उछाल आ चुका है। ब्रेंट क्रूड ने 71 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से सीधी छलांग लगाते हुए 100 डॉलर प्रति बैरल का आंकड़ा पार कर लिया है। यह लगभग 45 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी है, जो ग्लोबल एनर्जी मार्केट में युद्ध की गंभीर आशंकाओं को साफ दर्शाती है।अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की इस आग ने आम आदमी की जेब जलानी शुरू कर दी है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक वैश्विक स्तर पर पेट्रोल की औसत कीमतें 1.20 डॉलर प्रति लीटर से बढ़कर 1.27 डॉलर पर पहुंच गई हैं। वहीं, डीजल ने और भी तेज रफ्तार दिखाई है, जिसकी औसत कीमत 1.20 डॉलर से उछलकर 1.33 डॉलर प्रति लीटर पर जा पहुंची है। ये आंकड़े बताते हैं कि डीजल पर युद्ध की मार पेट्रोल के मुकाबले कहीं ज्यादा भारी पड़ी है। हैरानी की बात यह है कि भारत, चीन, रूस और सऊदी अरब जैसे बड़े देशों में अभी तक पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। अल्जीरिया, अर्जेंटीना और ब्राजील जैसे देशों में भी कीमतें फिलहाल स्थिर हैं। जानकारों का मानना है कि भारत में 5 राज्यों में होने वाले चुनाव के कारण कीमतें नियंत्रित की जा रही हैं। हालांकि, कच्चे तेल में हर 1 डॉलर की बढ़ोतरी से भारत के सालाना आयात बिल में लगभग 2 अरब डॉलर का इजाफा होता है। अभी क्रूड 100 डॉलर के पार बना हुआ है, जिससे रुपये और सरकारी खजाने पर दबाव बढ़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तो सिर्फ शुरुआत है; अगर युद्ध लंबा खिंचा, तो नियंत्रित बाजार वाले देशों को भी अंततः कीमतें बढ़ाने पर मजबूर होना पड़ सकता है।

नई बीएमडब्ल्यू एम 1000 आर सुपरस्पोर्ट रोडस्टर लॉन्च

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में बीएमडब्ल्यू मोटोराड ने अपनी हाई-परफॉर्मेंस 'एम' सीरीज का विस्तार करते हुए नई बीएमडब्ल्यू एम 1000 आर सुपरस्पोर्ट रोडस्टर लॉन्च कर दी है। कंपनी के अनुसार देशभर के अधिकृत डीलरशिप पर इसकी बुकिंग शुरू हो चुकी है और ग्राहकों को इसकी डिलीवरी मई 2026 से मिलनी शुरू हो जाएगी।

इस दमदार सुपरबाइक की एक्स-शोरूम कीमत 33.50 लाख रुपये तय की गई है। डिजाइन के मामले में यह बाइक बेहद आकर्षक और आक्रामक लुक के साथ पेश की गई है। इसका स्टाइल काफी हद तक बीएमडब्ल्यू की लोकप्रिय आरआर सुपरबाइक्स से प्रेरित है।

बाइक के फ्रंट में नई डुअल-फ्लो एलईडी हेडलाइट दी गई है, जो इसे अलग पहचान देती है। इसके साथ ही इसमें दिए गए 'एम विंगलेट्स' हाई स्पीड पर बाइक की स्थिरता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। कंपनी के मुताबिक 220 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पर ये विंगलेट्स अगले पहिए पर करीब 11 किलोग्राम तक अतिरिक्त डाउनफोर्स पैदा करते हैं, जिससे बाइक तेज गति पर भी सड़क से मजबूती से जुड़ी रहती है। परफॉर्मेंस के लिहाज से इस बाइक में 999सीसी का वॉटर-कूल्ड इनलाइन फोर-सिलेंडर इंजन दिया गया है, जिसे ट्रैक-फोकस्ड ट्यूनिंग के साथ तैयार किया गया है।

संक्षिप्त

आईपीएल 2026: जॉन मूनी दिल्ली कैपिटल्स के फील्डिंग कोच नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले अपनी केचिंग टीम को और मजबूत किया है। फ्रेंचाइजी ने आयरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर खिलाड़ी जॉन मूनी को फील्डिंग कोच नियुक्त किया है। दिल्ली कैपिटल्स ने गुरुवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, "दिल्ली के डिफेंस में 'आयरिश स्टील' का तड़का। स्वागत है, जॉन मूनी।

क्रिकबज के अनुसार मूनी, एंटोन रॉक्स और ज्ञानेश्वर राव की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले सीजन में यह भूमिका निभाई थी। 44 वर्षीय मूनी पहले वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के साथ काम कर चुके हैं। वह मुख्य कोच हेमांग बदानी के नेतृत्व वाले कोचिंग स्टाफ में शामिल हुए हैं, जिसमें इयान बेल सहायक कोच, मुनाफ पटेल गेंदबाजी कोच और वेणुगोपाल राव डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट हैं।

अगले साल 29 अक्टूबर से शुरू होंगे राष्ट्रमंडल युवा खेल

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रमंडल युवा खेलों का आठवां चरण अगले साल 29 अक्टूबर से चार नवंबर तक माल्टा और गोजो में आयोजित किया जाएगा। उद्घाटन समारोह 29 अक्टूबर को होगा जिसके बाद 30 अक्टूबर से चार नवंबर तक स्पर्धायें होंगी। इन खेलों में आठ स्पर्धाएं तैराकी और पैरा तैराकी, एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स, नेटबॉल, सेलिंग, स्क्वाश, ट्रायथलॉन, वॉटर पोलो और भारोत्तोलन शामिल हें।

राष्ट्रमंडल खेलों की मुख्य कार्यकारी केटी सैडलियर ने बृहस्पतिवार को एक विज्ञप्ति में कहा, ''माल्टा 2027 एक रोमांचक और प्रतिस्पर्धी माहौल का वादा करता है। विश्व स्तर की सुविधाएं हमारे युवा खिलाड़ियों को अच्छा अनुभव देंगी जिससे कल के सितारों को प्रेरित करने और उन्हें विकसित करने में मदद मिलेगी।

तेंदुलकर के समर्थन से अहमदाबाद में खुलेगी क्रिकेट अकादमी

अहमदाबाद, एजेंसी। सचिन तेंदुलकर के समर्थन से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस क्रिकेट अकादमी 10 अप्रैल से यहां शुरू होगी, जिसमें पूर्व भारतीय खिलाड़ियों की एक टीम मार्गदर्शक के रूप में पांच वर्ष से अधिक उम्र के खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण देगी।

एसआरटी10 अल्टेवोल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस क्रिकेट अकादमी को पिछले साल लॉन्च किया जाना था, लेकिन अब वह संचालन के लिए तैयार है। एसजी रोड पर वैष्णोदेवी सर्कल के पास शंकुस फार्म में स्थित इस अकादमी के बुनियादी ढांचे में पेशेवर क्रिकेट नेट, मैचों के आयोजन के लिए मैदान, आधुनिक साजो समान से सजा जिम और एक रनिंग ट्रैक शामिल हैं।

4 बल्लेबाज, जिन्होंने एक ही आईपीएल सीजन में 800 से ज्यादा रन कूटे

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बीते 18 सीजन में खिलाड़ियों ने कई रिकॉर्ड्स बनाए और तोड़े हैं। इस दौरान बल्लेबाजों ने जमकर चौके और छक्कों की बरसात करते हुए फैंस का खूब मनोरंजन किया। आइए, आईपीएल इतिहास के उन 4 खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं, जिन्होंने एक ही सीजन में 800 से ज्यादा रन कूटे।

विराट कोहली: इस बल्लेबाज ने अब तक सभी 18 सीजन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेले हैं। कोहली ने आईपीएल 2016 में 16 मैच खेलते हुए 81.08 की औसत के साथ कुल 973 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 4 शतक और 7 अर्धशतक लगाए। कोहली एक आईपीएल सीजन में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रूप से नंबर-1 हैं।

राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2026 के लिए लॉन्च की नई जर्सी

- तस्वीरों के साथ राजस्थान रॉयल्स ने कैप्शन में लिखा, "नया लुक, वही हल्ला बोल"

जयपुर, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होगी, जिससे पहले बुधवार को राजस्थान रॉयल्स ने आगामी सीजन के लिए अपनी नई जर्सी लॉन्च की। इस मौके पर नए कप्तान रियान पराग, युवा बैटिंग सेंसेशन वैभव सूर्यवंशी और लेग-स्पिनर रवि बिश्नोई मौजूद थे, जिन्होंने इस जर्सी को पेश किया।

2008 के आईपीएल विजेता टीम ने इंस्टाग्राम पर अपनी जर्सी लॉन्च करने की घोषणा की। इस नई जर्सी में नीले और गुलाबी रंग का मिश्रण है। तस्वीरों के साथ राजस्थान रॉयल्स ने कैप्शन में लिखा, "नया लुक, वही हल्ला बोल। जर्सी: लॉन्च हो गई।"

आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स 30 मार्च को गुवाहाटी के एसीए स्टेडियम में पांच बार के विजेता चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

राजस्थान रॉयल्स अपने शुरुआती तीन घरेलू मैच गुवाहाटी में खेलेगी, जो उनका वैकल्पिक घरेलू मैदान है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में उनके मुख्य घरेलू मैदान पर होने वाले मुकाबलों की तारीखें तब तय होंगी, जब बीसीसीआई टूर्नामेंट के शेष मुकाबलों का शेड्यूल जारी करेगा।

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ यह मैच बेहद रोमांचक होगा, क्योंकि रवींद्र जडेजा और सैम करन अपनी पुरानी टीम के विरुद्ध राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते नजर आएंगे। इसके बाद राजस्थान रॉयल्स सीजन के अपने पहले 'अवे' मैच के लिए अहमदाबाद पहुंचेगी, जहां 4 अप्रैल को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में उनका मुकाबल गुजरात टाइटंस से होगा।

इसके बाद राजस्थान रॉयल्स की टीम गुवाहाटी लौटेगी, जहां 7 अप्रैल को पांच बार के विजेता मुंबई इंडियंस और 10 अप्रैल को मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की मेजबानी करेगी।

राजस्थान रॉयल्स के शुरुआती चार में से तीन मैच घरेलू मैदान पर हैं। ऐसे में राजस्थान रॉयल्स शुरुआती बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी। पिछले सीजन टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जिसमें यह टीम 14 में से सिर्फ 4 मैच जीतकर 9वें पायदान पर रही थी।

24 वर्षीय रियान पराग को राजस्थान रॉयल्स की कमान तब मिली, जब संजू सैमसन ट्रेड डील के तहत चेन्नई सुपर किंग्स में चले गए हैं। इसके बदले जडेजा और करन राजस्थान रॉयल्स में आए हैं। पराग ने 2025 सीजन में कुछ समय के लिए राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी की थी, उस समय सैमसन चोट की वजह से आठ मैच नहीं खेल पाए थे। हालांकि, रियान पराग की कप्तानी में टीम उनमें से सिर्फ दो ही जीत सकी थी।

हम विश्व कप का नहीं, अमेरिका का बहिष्कार करेंगे : ईरान

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने फीफा विश्व कप 2026 के बहिष्कार की धमकी वापस ले ली है। लेकिन अमेरिका में मैच न खेलने के अपनी मांग पर कायम है। ईरान के फुटबॉल चीफ मेहदी ताज ने कहा कि टीम टूर्नामेंट की तैयारियों को जारी रखेगी, भले ही पुरुष टीम अमेरिका में अपने मैच न खेले।

फुटबॉल विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में खेला जाना है। फरवरी के आखिर में अमेरिका के साथ चल रहे विवाद के बाद ईरान की टीम की सुरक्षा और मैचों की जगह को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। इसलिए ईरान ने अमेरिका में विश्व कप के दौरान अपने प्रस्तावित मैच खेलने से इनकार कर दिया है। बता दें कि ईरान विश्व कप क्वालीफाई करने वाली पहली टीमों में शामिल है। फार्स न्यूज एजेंसी के हवाले से मेहदी ताज ने कहा, "नेशनल टीम तुर्की में ट्रेनिंग कैंप लगाएगी और वहां दो मैत्रीपूर्ण मैच खेलेगी। हम अमेरिका का बॉयकॉट करेंगे, लेकिन विश्व कप का नहीं। ताज का यह बयान ईरान के खेल मंत्री अहमद डोनयामाली के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान विश्व कप में हिस्सा नहीं लेगा। ईरान की पुरुष टीम को जून में अमेरिका में बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड के साथ मैच खेलने हैं। मेक्सिको की प्रेसिडेंट क्लाउडिया शीनबाम ने ईरान के अमेरिका में विश्व कप मैचों के बहिष्कार पर कहा कि आखिरी फैसला फीफा के हाथ में है। फीफा ने भी पुष्टि की है कि वे ईरान फुटबॉल फेडरेशन के संपर्क में हैं और चाहते हैं कि सभी टीमें अपने तय शेड्यूल के अनुसार टूर्नामेंट में भाग लें।

आयुष शेट्टी, तन्वी शर्मा और अनमोल खरब ऑरलियन्स मास्टर्स के अगले दौर में

पेरिस (फ्रांस), एजेंसी। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों आयुष शेट्टी, तन्वी शर्मा और अनमोल खरब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर ऑरलियन्स मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बना ली है।

पैलेस डेस स्पोर्ट्स में बुधवार को खेले गये एकल मुकाबले में भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने हम वतन किरण जॉर्ज को हराया। वहीं महिला एकल के मुकाबले में अनमोल खरब ने तुर्की की ओलंपियन नेस्लिहान अरिन को हरा कर तथा तन्वी शर्मा ने दूसरी वरीयता प्राप्त सुपानिदा कातेथोंग को बाहर कर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई।

यूएस ओपन 2025 चैंपियन आयुष शेट्टी पुरुष एकल के दूसरे दौर में पहुँच गए। उन्होंने पहले दौर के एक 'ऑल-इंडियन' मुकाबले में किरण जॉर्ज को 17-21, 21-10, 21-17 से हराकर वापसी की। ब्रेक तक 11-10 की मामूली बढ़त बनाने के बाद, किरण जॉर्ज ने लगातार पांच अंक हासिल किए और इतनी बड़ी बढ़त बना ली कि पहला गेम आसानी से जीत लिया। हालाँकि, आठवीं वरीयता प्राप्त आयुष शेट्टी ने दूसरे गेम में अपना खेल का स्तर ऊंचा उठाया और शुरू से अंत तक अपना दबदबा बनाए रखते हुए मैच को निर्णायक तीसरे गेम तक पहुंचा दिया। आयुष शेट्टी ने अपनी लय को निर्णायक तीसरे गेम में भी जारी रखा और ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बना ली।

किरण जॉर्ज ने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर का अंतर कम करके 16-15 तक पहुंचा दिया, लेकिन शेट्टी ने मैच के आखिरी पलों में अपना संयम बनाए रखा, किरण के बढ़ते दबाव को रोका और दूसरे दौर में अपनी जगह पक्की कर ली।

वहीं पूर्व विश्व नंबर 1 किदांबी श्रीकांत सीधे गेम में हारने के बाद ऑरलियन्स मास्टर्स 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट से जल्दी बाहर हो गए। पुरुष एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 30वें स्थान पर काबिज़ किदांबी श्रीकांत को बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में डेनमार्क के मैग्नस जोहानसन ने 21-12, 21-10 से हरा दिया। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने शुरुआत तो तेज की और 5-2 की बढ़त बना ली, लेकिन फिर मैग्नस जोहानसन ने मैच पर नियंत्रण पा लिया; उन्होंने इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली और पहला गेम आसानी से अपने नाम कर लिया।

किदांबी श्रीकांत ने दूसरे गेम में वापसी की कोशिश की और एक समय स्कोर का अंतर कम करके 12-10 तक ले आए।

रोहित और विराट की तरह संजू की जगह कोई नहीं ले सकता : रियान पराग

- राजस्थान रॉयल्स मेरे लिए आईपीएल में पहले दिन से घर जैसा रहा है : रियान पराग

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने गुरुवार को कहा कि जिस तरह से रोहित शर्मा या विराट कोहली की जगह नहीं भरी जा सकती है उसी तरह से उनकी टीम में संजू सैमसन की कमी को पूरा नहीं किया जा सकता है।

सैमसन ने 2021 से 2025 तक रॉयल्स की कप्तानी की। रॉयल्स ने सत्र से पहले उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स के साथ 'ट्रेड' कर दिया था और उनकी जगह रविंद्र जडेजा को अपनी टीम में शामिल किया।

पराग ने यहां सत्र पूर्व संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''अगर आप संजू भैया की बात कर रहे हैं तो उनके जैसे खिलाड़ी के स्थान पर किसी अन्य खिलाड़ी को रखने के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता। हम उनके जैसे कौशल वाले किसी खिलाड़ी की तलाश कर सकते हैं या उनकी जगह किसी अन्य को बल्लेबाजी करने के लिए कह सकते हैं।

उन्होंने कहा, ''जिस तरह से विराट कोहली या रोहित शर्मा का कोई विकल्प नहीं है। ठीक उसी तरह से संजू भैया का भी कोई विकल्प नहीं हो सकता है क्योंकि वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं।

संजू राजस्थान रॉयल्स की तरफ से सर्वाधिक मैच खेलने और सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने हाल में टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करके टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया था।

पराग ने कहा कि पिछले सत्र के आखिर में उनकी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था लेकिन इस बार वह ऐसी कोई गलती नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा, ''पिछली बार हमने आखिरी पांच मैच में काफी गलतियां की लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। हम पूरी तैयारी के साथ मैदान पर उतरेंगे। यकीन मानिए इस बार राजस्थान रॉयल्स कप जरूर जीतेगी। पराग ने कहा, " किसी एक खिलाड़ी के दम पर हम मैच नहीं जीत सकते। यशस्वी जयसवाल और वैभव सूर्यवंशी ही टीम को जीत दिलवा दें तो यह कहना गलत होगा। पूरी टीम को अच्छा प्रदर्शन करना होगा और टीम इसके लिए तैयार है।

रॉयल्स के कप्तान ने कहा कि उन्होंने युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को मीडिया से दूर रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा, ''मैंने वैभव को अपना नैसर्गिक खेल खेलने को कहा है। मैंने उससे कहा है कि वह केवल गेंद को हिट करने पर ध्यान दें और अगर किसी तरह का दबाव होता है तो उसे यशस्वी संभाल लेंगे।

पराग ने कहा, राजस्थान रॉयल्स मेरे लिए आईपीएल में पहले दिन से घर जैसा रहा है। अब इस टीम का नेतृत्व करना मेरे लिए बेहद खास है और यह जिम्मेदारी मैं पूरी तरह से स्वीकार करता हूं। मैं हमारे कोच और नेतृत्व समूह के साथ मिलकर समझदारी भरा क्रिकेट खेलने के लिए उत्साहित हूं।

रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा को पूरा भरोसा है की टीम रियान पराग की कप्तानी में अच्छा प्रदर्शन करेगी।

उन्होंने कहा, रियान ने दबाव में संयम दिखाया है।

अपने 100वें टी20 मैच से पहले बेखौफ अंदाज में वापसी को तैयार गार्डनर

- ऑस्ट्रेलियाई टीम इंग्लैंड में होने वाले आईसीसी विमेंस टी20 विश्व कप 2026 की तैयारी कर रही है।

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान एशले गार्डनर अपने करियर की शुरुआत वाले उस निडर अंदाज को फिर से अपना रही हैं, जिसने उन्हें पहचान दिलाई थी।

ऑस्ट्रेलियाई टीम इंग्लैंड में होने वाले आईसीसी विमेंस टी20 विश्व कप 2026 की तैयारी कर रही है। यह ऑलराउंडर इस बड़े टूर्नामेंट से पहले अपनी बेहतरीन फॉर्म हासिल करने का लक्ष्य बना रही हैं। गार्डनर 100 टी20 इंटरनेशनल मैच पूरे करने से महज एक कदम दूर हैं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम जब सेंट विंसेंट में वेस्टइंडीज का सामना करेगी, तो गार्डनर टी20 मैचों का शतक लगाने वाली सातवीं ऑस्ट्रेलियाई महिला खिलाड़ी बन जाएंगी। इस बीच टीम हाल ही में सेमीफाइनल में मिली निराशाओं को पीछे छोड़ने के लिए बेताब होगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम को आईसीसी विमेंस वर्ल्ड कप 2025 में मेजबान भारत से मिली हार मिली थी, जबकि उसे विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ इसी तरह टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था।

गार्डनर ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से कहा, "मैं पहले ऐसी खिलाड़ी थी जिसे कोई डर नहीं लगता था। लेकिन मुझे लगता है कि जैसे-जैसे मैं बड़ी और ज्यादा समझदार होती गई, जिंदगी और आमतौर पर क्रिकेट के प्रति मेरे नजरिए में थोड़ा डर भी शामिल हो गया है।"

उन्होंने आगे कहा, "मैं उस निडरता को थोड़ा फिर से जगाने की कोशिश कर रही हूं। ऐसा नहीं कि मैं हद पार करके पूरी तरह से लापरवाह हो जाऊं। लेकिन मैं जिस तरह का क्रिकेट खेलती हूं, उसमें मैं हमेशा खेल पर हावी होने की कोशिश करती हूं। इसलिए जब मैं दबाव में होती हूं, तो मैं सचमुच उस निडरता को जगाने और उसका इस्तेमाल करने की कोशिश करती हूं। तभी मैं अपना सबसे बेहतरीन क्रिकेट खेल पाती हूं।"

28 वर्षीय खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के लिए मिडिल-ऑर्डर में खेलते हुए टी20 फॉर्मेट में औसतन 25.11 रन बनाए हैं। उन्होंने कहा, "इस फॉर्मेट में, मिडिल-ऑर्डर में मेरी भूमिका कभी-कभी काफी चुनौतीपूर्ण हो जाती है। हो सकता है कि आप तब बल्लेबाजी करने आएं जब टीम मजबूत स्थिति में हो, या फिर तब जब हम मुश्किल में हों। इसमें हालात को बहुत तेजी से समझना होता है, और अपनी लय को बहुत जल्दी हासिल करना होता है। शायद यह एक ऐसी चीज है जिसे मैं इस फॉर्मेट में लंबे समय से लगातार बहुत अच्छे से नहीं कर पा रही थी।"

गार्डनर आगामी वेस्टइंडीज सीरीज को वर्ल्ड कप की आखिरी तैयारी के तौर पर देख रही हैं, और इसकी तुलना 2017 वर्ल्ड कप के बाद टीम में आए बड़े बदलावों वाले दौर से कर रही हैं।

निशा मिलेट: पानी से डरने वाली लड़की ने तैराकी में देश को दिलाया गोल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी।

निशा मिलेट का नाम देश के लोकप्रिय और सफल तैराकों में लिया जाता है। निशा ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत देश का नाम रोशन किया है।

निशा मिलेट का जन्म बेंगलुरु में 20 मार्च 1982 को हुआ था। तैराकी में अपना करियर बनाने वाली निशा बचपन में पानी से डरा करती थीं। 5 साल की उम्र में वह डूबने से बाल-बाल बचीं। इस घटना के बाद उनके पिता ऑब्रे ने उन्हें तैराकी सिखाने का फैसला किया ताकि वह अपने डर पर काबू पा सकें। 1991 में चेन्नई के शेनॉयनगर क्लब में उन्होंने अपने पिता के मार्गदर्शन में स्विमिंग शुरू की।

डर को भगाने के लिए शुरू हुआ तैराकी का सफर कब पैशन में बदल गया, इसका पता निशा को भी नहीं चला। निशा ने तैराकी में कड़ी मेहनत शुरू की और 1992 में उन्होंने 50 मीटर फ्रीस्टाइल में अपना पहला स्टेट लेवल मेडल जीता।

1994 में, सब-जूनियर रहते हुए ही उन्होंने सीनियर नेशनल लेवल पर पांचों फ्रीस्टाइल इवेंट में गोल्ड मेडल जीतकर सबको चौंका दिया। इसी साल उन्होंने हांगकांग में एशियन एज ग्रुप चैंपियनशिप में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मेडल भी हासिल किया। निशा मिलेट ने

1998 के एशियन गेम्स, 1999 और 2004 की वर्ल्ड चैंपियनशिप सहित कई बड़े टूर्नामेंट्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने एफ्रो-एशियन गेम्स और सैफ गेम्स में भी कई पदक जीते। 1999 के नेशनल गेम्स में उन्होंने 14 गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया।

निशा ने 1999 में काठमांडु में आयोजित दक्षिण एशियाई खेल में तैराकी में 50 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर फ्रीस्टाइल में और 100 मीटर और 200 मीटर बैकस्ट्रोक में गोल्ड जीता था।

गुहार

एआई डीपफेक के गलत इस्तेमाल पर रोक की लगाई गुहार

गौतम गंभीर ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने दिल्ली हाई कोर्ट में एक सिविल केस दर्ज कराया है, जिसमें डिजिटल नकल, एआई से बने डीपफेक, और बिना अनुमति के उनकी आवाज और चेहरे के इस्तेमाल के चलाए जा रहे कैंपेन के खिलाफ अपने व्यक्तित्व अधिकार की पूर्ण सुरक्षा की मांग की गई है।

2025 के आखिर से गौतम गंभीर की लीगल टीम ने इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब, और फेसबुक पर नकली डिजिटल कंटेंट में तेजी से और चिंताजनक वृद्धि देखी। कई अकाउंट्स ने असली वीडियो बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फेस-स्वैपिंग और वॉइस-क्लोनिंग तकनीक का इस्तेमाल किया, जिसमें गंभीर को ऐसे बयान देते हुए गलत तरीके से दिखाया गया जो उन्होंने कभी दिए ही नहीं। इसमें एक नकली इस्तीफे की घोषणा भी शामिल थी, जिसे 29 लाख से ज्यादा बार देखा गया। एक नकली क्लिप जिसमें उन्हें सीनियर क्रिकेटरों के विश्व कप में हिस्सा लेने के बारे में टिप्पणी करते हुए दिखाया गया था, इसे 17 लाख से ज्यादा बार देखा गया।

सोशल मीडिया के अलावा, बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म बिना किसी इजाजत के उनके नाम और तस्वीर वाले पोस्टर की मदद सामान बेचने में ले रहे थे।

यह मुकदमा 16 डिफेंडेंट के खिलाफ दायर किया गया है। इसमें कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स जैसे जैनकी फ्रेम्स, भूपेंद्र पेंटोला, लीजेंड्स रेवोल्यूशन, आदि शामिल हैं। इसके अलावा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म में ऐमेजॉन और फ्लिमपकार्ट का नाम है। वहीं टेक कंपनियों में मेटा प्लेटफॉर्म, एक्स, गूगल, यूट्यूब, आदि शामिल हैं। साथ ही आईटी मंत्रालय और दूरसंचार विभाग को भी शामिल किया गया है, जो किसी भी कोर्ट ऑर्डर को लागू करने में मदद के लिए प्रोफार्मा पार्टी हैं।

यह मुकदमा कॉपीराइट एक्ट 1957, ट्रेडमार्क्स एक्ट 1999, और कमर्शियल कोर्ट्स एक्ट 2015 का इस्तेमाल करता है, और दिल्ली हाई कोर्ट के मजबूत न्यायशास्त्र का इस्तेमाल करता है—जिसमें अमिताभ बच्चन बनाम रजत नागी, अनिल कपूर बनाम सिंपली लाइफ इंडिया, और हाल ही में सुनील गावस्कर बनाम क्रिकेट तक और अन्य के ऐतिहासिक फैसले शामिल हैं, जो पर्सनैलिटी राइट्स को एआई से होने वाले शोषण तक फैले हुए, मालिकाना हक के तौर पर लागू करने लायक अधिकार के तौर पर मजबूती से स्थापित करते हैं।

ओ'सुलिवन, ट्रंप 2026 वर्ल्ड स्नूकर ओपन के अंतिम 16 में पहुंचे

नानचांग, एजेंसी। रॉनी ओ'सुलिवन, जड ट्रंप और झाओ शिनतोंग बुधवार को दक्षिणी चीन के जियांग्शी प्रांत के युशान में आयोजित वर्ल्ड स्नूकर ओपन के अंतिम 16 में आसानी से जीत हासिल करके पहुंच गए। सात बार के विश्व चैंपियन ओ'सुलिवन ने लगातार पांच फ्रेम जीतकर अपने हमवतन अंग्रेज खिलाड़ी मैथ्यू सेल्ट को 5-0 से हराया। दूसरे फ्रेम में, उन्होंने सिर्फ नौ मिनट में शानदार 138 का ब्रेक बनाकर वह फ्रेम अपने नाम कर लिया। ओ'सुलिवन ने मैच के बाद दिए इंटरव्यू में कहा, "मैं पूरा मैच जीतने जा रहा हूं।" "मुझे पहले दो मैचों में अपनी फॉर्म अच्छी लगी है, और मैं इस फॉर्म को जारी रखूंगा और जीतने की कोशिश करता रहूंगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी जड ट्रंप ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए वेल्श खिलाड़ी जैक्सन पेज को 5-2 से हराया। चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन झाओ शिनतोंग ने 100 के सेंचुरी ब्रेक के साथ शुरुआत की, और उसके बाद इंग्लैंड के सैम क्रेगी पर 5-1 से जीत पक्की कर ली।

दिन के अन्य मैचों में, जिनमें पूर्व विश्व चैंपियन शामिल थे, शॉन मर्फी ने जू सी को 5-1 से हराया। स्टुअर्ट बिंगहम ने वू यिजे को कड़े मुकाबले में 5-4 से मात दी। कायरन विल्सन ने एलन टेलर को 5-1 से बुरी तरह हराया और मार्क विलियम्स को हुसैन वफाई के हाथों 5-2 से हार का सामना करना पड़ा।

करण जौहर ने 'सूबेदार' को बताया शानदार

एक्शन-ड्रामा फिल्म 'सूबेदार' ओटीटी रिलीज के बाद काफी चर्चा में है। हर कोई अनिल कपूर के एक्शन अवतार और फिल्म की कहानी की जमकर तारीफ कर रहा है। अब इस कड़ी में फिल्ममेकर करण जौहर का नाम जुड़ गया है। करण जौहर ने शनिवार को इंस्टाग्राम के जरिए अनिल कपूर के काम की जमकर सराहना की। उन्होंने अनिल कपूर के एक्शन अवतार की तस्वीर शेयर की। इसके साथ ही करण जौहर ने लिखा, 'मैं इस शानदार और दमदार फिल्म को देखने के लिए देर से पहुंचा था। क्या कमाल की फिल्म है और अनिल कपूर ने कितनी मजेदार और शानदार परफॉर्मेंस दी है कि वह सच में कमाल हैं।' इसी के साथ करण ने पूरी स्टार कास्ट की जमकर सराहना करने के साथ बधाई भी दी। करण ने लिखा, 'पूरे कास्ट, सुरेश और प्राइम वीडियो को इतनी बेहतरीन और शानदार फिल्म बनाने के लिए बधाई।' सुरेश त्रिवेणी द्वारा निर्देशित एक्शन और ड्रामा से भरपूर फिल्म 'सूबेदार' में अनिल कपूर के अलावा, राधिका मदान, मोना सिंह, अदित्य रावल और सौरभ शुक्ला जैसे मंझे हुए कलाकार अहम किरदार में हैं। एक्शन-ड्रामा फिल्म 'सूबेदार' में अनिल कपूर ने अर्जुन मौर्य नाम के रिटायर्ड फौजी का किरदार निभाया है, जो स्थानीय रेत माफिया और भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी बेटी (राधिका मदान) के साथ मिलकर जंग लड़ता है। यह एक हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म है, जो अपनी दमदार एक्टिंग के लिए चर्चा में है। फिल्म की कहानी एक रिटायर्ड सूबेदार अर्जुन मौर्य की है, जो अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद बेटी श्यामा (राधिका मदान) के साथ रिश्ते सुधारने और शांतिपूर्ण जीवन के लिए घर लौटता है, लेकिन स्थानीय रेत माफिया के आतंक और अपनी कार को हुए नुकसान के बाद वह उनके खिलाफ खड़ा हो जाता है। फिल्म की स्टार कास्ट काफी दमदार है, जिसकी हर जगह सराहना हो रही है।

इंडस्ट्री के लोग समझते थे नीचा; 'अक्सर 2' विवाद पर की बात

सलमान खान के साथ 'वीर' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली जरीन खान की तुलना कटरीना कैफ से की जाती थी। हालांकि, जरीन का करियर कटरीना जैसा सफल नहीं रहा। जबकि 'हाउसफुल 2' और 'हेट स्टोरी 3' जैसी कमर्शियल फिल्मों का भी हिस्सा रहीं। लेकिन 2017 में आई 'अक्सर 2' बाद में विवादों में घिर गई। जरीन का दावा है कि उन्हें अपनी ही फिल्म के प्रीमियर में आमंत्रित तक नहीं किया गया था।

'अक्सर 2' को लेकर हुए विवाद पर की बात

हाल ही में मैमोथ मीडिया एशिया पॉडकास्ट पर पूजा भट्ट के साथ बातचीत के दौरान जरीन खान ने इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की। 'हेट स्टोरी 3' के बाद के दौर को याद करते हुए उन्होंने कहा कि 'हेट स्टोरी' करने के बाद बहुत से लोग खासकर फिल्म इंडस्ट्री के लोग मुझे नीची नजरों से देखने लगे। वे कहते थे, 'क्योंकि वह अभिनय नहीं कर सकती, इसलिए उसने कपड़े उतारने का फैसला किया।' जरीन ने अनंत महादेवन के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए कहा कि मेकर्स ने शुरू में इस प्रोजेक्ट को एक स्टाइलिश नॉयर फिल्म के रूप में पेश किया था। उन्हें आश्वासन दिया था कि इसमें 'हेट स्टोरी 3' की तरह बोल्ड सीन नहीं होंगे। उन्होंने बड़ी ही सधी हुई अंग्रेजी में स्क्रिप्ट सुनाई और कहा, 'हम कोई नफरत की कहानी नहीं बना रहे हैं। हम एक जॉनर नॉयर बना रहे हैं।' मैंने सोचा, ठीक है। लेकिन सेट पर पहुंचते ही, हर दूसरा सीन या तो किस के साथ खत्म होता।

मेकर्स जानबूझकर इंटिमेसी सीन करने को कहने लगे

अभिनेत्री ने आगे बताया कि मैंने उनसे कहा, 'मुझे इंटिमेट सीन करने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन आपने मुझे बिल्कुल अलग ब्रीफ दिया था। अब सिर्फ इसलिए कि आपने वह फिल्म देखी है, आप ये सब जोड़ना चाहते हैं।' बाद में मुझे एहसास हुआ कि निर्देशक रीढ़विहीन थे। वह निर्माताओं को कहानी का एक संस्करण बताते थे और मुझे और मेरे कॉस्ट्यूम डिजाइनर शाहिद आमिर को दूसरा। जैसे-जैसे फिल्म आगे बढ़ी, टीम के सदस्यों के बीच मतभेद बढ़ते गए। मेकर्स अचानक मुझसे लगभग हर सीन में ब्रा वाला सीन, किसिंग सीन या कुछ उत्तेजक करने को कहने लगे। वो भी सिर्फ इसलिए कि मैंने पहले ऐसी एक फिल्म की थी। यह ठीक नहीं है।

इसलिए पूरी की फिल्म

हालांकि, बढ़ते तनाव के बावजूद जरीन ने फिल्म पूरी की। उनका कहना है कि मैं नखरे दिखाने वाली नहीं हू। मुझे पता है कि लोगों का पैसा दांव पर लगा है, इसलिए मैं हमेशा बातचीत करके बीच का रास्ता निकालने की कोशिश करती हूं। लेकिन फिल्म पूरी होते-होते हालात इतने बिगड़ गए थे कि मुझे अपनी ही फिल्म की स्क्रीनिंग में भी नहीं बुलाया गया। जरीन ने यह भी आरोप लगाया कि उस समय की मीडिया रिपोर्ट्स में उन्हें काम करने में मुश्किल व्यक्ति के रूप में गलत तरीके से पेश किया गया था।

'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' के सीक्वल की सही समय पर घोषणा करेंगी जोया अख्तर

निर्माता-निर्देशक जोया अख्तर का मानना है कि रोमांटिक फिल्में जल्द ही हिंदी सिनेमा में फिर से प्रमुखता हासिल कर सकती हैं। उनका कहना है कि कहानी कहने के रुझानों का एक साइकिल होता है, जो घूमकर वापस आता है। उनके अनुसार, विभिन्न शैलियां अक्सर सेचुरेशन के दौर से गुजरती हैं, जिसके बाद दर्शक उनकी अपील को फिर से पहचानते हैं। यही कारण है लव स्टोरी भी फिर से वापस लौटेंगी। जोया अख्तर ने बताया कि वह कहानियों को लिखने और विकसित करने के लिए किस तरह का दृष्टिकोण अपनाती हैं। उन्होंने कहा कि मैं उस तरह से काम नहीं करती। जैसे, मैं यह नहीं सोचती कि 'अब लोग यह ढूंढ रहे हैं, तो चलो मैं यह लिखती हूं।' लेकिन अगर आप पिछले 10-15 साल पर नजर डालें, तो बदलाव आया है। सब कुछ बदलता है। अगर आप इसे चक्रीय रूप से देखें, तो शायद प्रेम कहानियां फिर से लौट आएंगी।अपने आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में बात करते हुए जोया ने बताया कि हमारी फिल्म 'दहाड़ 2' की शूटिंग चल रही है। रीमा कागती इसकी शूटिंग कर रही हैं। मैं अपने लिए दो स्क्रिप्ट लिख रही हूं। रीमा के लिए हमने एक स्क्रिप्ट पूरी कर ली है। हम फिलहाल अन्य निर्देशकों के साथ मिलकर कई स्क्रिप्ट्स पर काम कर रहे हैं, ताकि उन्हें तैयार करके निर्माण कर सकें। बातचीत के दौरान जोया अख्तर से उनकी सुपरहिट फिल्म 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' के सीक्वल को लेकर चल रही चर्चा के बारे में पूछा गया। इस पर ज्यादा कुछ बोलने से बचते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी आधिकारिक जानकारी सही समय आने पर ही दी जाएगी।

एक इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट में साथ आएंगे मोहित रैना और प्रियामणि

मोहित रैना और साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि जल्द ही एक साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। 'देवों के देव महादेव' से घर-घर में पहचान बनाने वाले मोहित की नई फीचर फिल्म की जिम्मेदारी निर्माता हर्ष महादेश्वर ने उठाई है। यह एक इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट होगा, जिसका टाइटल फिलहाल तय नहीं किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म अमेरिकी प्रोडक्शन कंपनी रेड बाइसन प्रोडक्शंस और मुंबई स्थित एज्योर एंटरटेनमेंट के बीच रचनात्मक सहयोग का नतीजा है। कहानी एक वास्तविक अप्रवासी परिवार से प्रेरित बताई जा रही है, जो अमेरिका में अपनी सांस्कृतिक पहचान और अपनेपन की तलाश में संघर्ष करता है। भावनात्मक और सांस्कृतिक टकराव इस फिल्म का सेंटर पॉइंट होंगे। फिल्म की शूटिंग अप्रैल 2026 में शुरू होने की योजना है। अधिकांश फिल्मांकन न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में किया जाएगा, जबकि कुछ अहम हिस्से दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में भी शूट होंगे।

'धुरंधर 2' में कैमियो करने वाले थे अनिल कपूर फिर क्यों नहीं किया काम?

फिल्म 'धुरंधर 2' की रिलीज नजदीक आ रही है। फैंस इसे लेकर उत्साहित हैं। वह इससे जुड़े अपडेट जानना चाहते हैं। ऐसे में अनिल कपूर ने फिल्म को लेकर एक जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि फिल्म में कैमियो रोल के लिए आदित्य धर ने उनसे संपर्क किया था। हालांकि उन्हें एक बड़ी वजह के चलते इसे ठुकराना पड़ा। अनिल कपूर ने खुलासा किया है कि उन्हें दूसरे प्रोजेक्ट में काम करने की वजह से 'धुरंधर 2' में कैमियो रोल को ठुकराना पड़ा। इंडिया टुडे से बातचीत में अनिल कपूर ने कहा 'धुरंधर 2 के लिए आदित्य धर मेरे पास आए थे। वह चाहते थे कि मैं फिल्म में एक छोटा कैमियो करूं। अनिल कपूर ने आगे बताया कि वह पहले वाला प्रोजेक्ट नहीं छोड़ना चाहते थे, हालांकि वह 'धुरंधर 2' में कैमियो करना चाहते थे। उन्होंने कहा 'उन तारीखों में मैं दूसरे फिल्ममेकर के साथ काम कर रहा था। मैंने आदित्य से कहा मैं यह कैमियो करना पसंद करूंगा, लेकिन मैंने पहले ही किसी से वादा किया है। वह फिल्म को रिलीज करने वाले हैं। यह अच्छी फिल्म है। इसमें मेरा घाटा है लेकिन कोई बात नहीं।' 'धुरंधर 2' में रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, राकेश बेदी और सारा अर्जुन मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसके निर्देशक आदित्य धर हैं। अनिल कपूर हाल ही में फिल्म 'सूबेदार' में नजर आए थे। इसका निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया था और इसमें राधिका मदान और खुशबू सुंदर भी उनके साथ थीं।

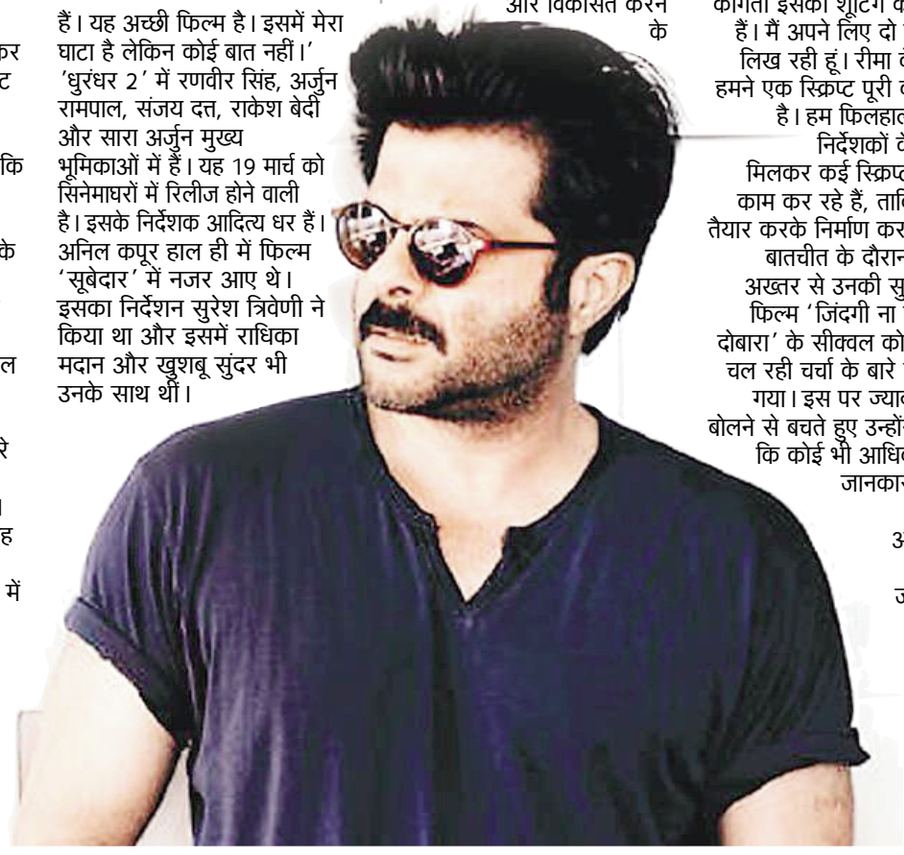

अपनी बायोपिक बनाने पर बोले राजपाल यादव

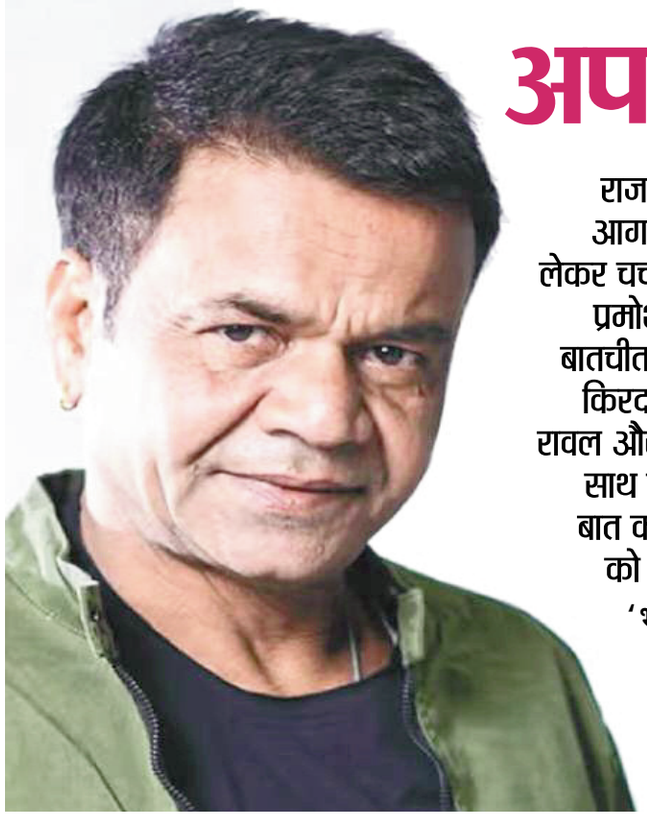

राजपाल यादव इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चाओं में हैं। एक्टर फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान बातचीत में उन्होंने फिल्म में अपने किरदार और अक्षय कुमार, परेश रावल और असरानी जैसे दिग्गजों के साथ काम करने के अनुभवों पर बात की। उन्होंने अपनी बायोपिक को लेकर भी अपनी राय रखी।

'भूत बंगला' का हिस्सा बनना सौभाग्य की बात

'भूत बंगला' को एक शानदार फिल्म बताते हुए राजपाल ने कहा, 'भूत बंगला की कहानी बहुत दिलचस्प है और मुझे इसमें एक अच्छे कॉन्सेप्ट के साथ शानदार किरदार निभाने का मौका मिला है। मैं इसके लिए पूरी टीम का धन्यवाद देता हूं। यहां आपको स्लैपस्टिक कॉमेडी के साथ भरपूर मनोरंजन मिलेगा। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।' अपने किरदार के बारे में उन्होंने कहा कि प्रियदर्शन की खासियत है कि वे मुझसे अलग-अलग तरह के कॉमन मैन के किरदार करवाते हैं। हर फिल्म में किरदार की मानसिकता अलग होती है और यही चीज मुझे सबसे ज्यादा पसंद आती है।

हर फिल्म अलग होती है

हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया' से इसकी तुलना पर राजपाल कहते हैं, 'पिछले सौ साल के सिनेमा में आगे के सिनेमा की झलक आती है। अब तक कई हॉरर फिल्में बनी हैं और सबकी अपनी क्वालिटी है। यह नई फिल्म है। यह अपने आप में एक अलग कहानी है वो भी बिल्कुल अलग ट्रीटमेंट के साथ। दिग्गजों के साथ काम करने का अनुभव राजपाल आगे कहते हैं, 'अक्षय भाई, परेश भाई और दिवंगत असरानी सर...ये सभी दिग्गज कलाकार हैं। इनके साथ काम करना हमेशा सीखने जैसा होता है। पिछले 20 साल से कई फिल्मों में साथ काम करते हुए एक अच्छा बॉन्ड बन गया है।' अक्षय कुमार के बारे में उन्होंने कहा कि अक्षय में कूट-कूटकर एनर्जी भरी है। उनके साथ काम करते हुए हमेशा कुछ नया सीखने को मिलता है।

असरानी के साथ खास यादें

दिवंगत अभिनेता असरानी के साथ काम करने का अनुभव बताते हुए राजपाल भावुक हो गए। वो बोले- 'हमने बचपन में उनकी फिल्मों पर तालियां बजाई हैं। उनके साथ काम करना अपने आप में एक अनुभव है। शूटिंग के दौरान एक शाम हम साथ बैठकर गाजर का हलवा खा रहे थे और बातचीत कर रहे थे। वो पल मेरे लिए बहुत खास है।'

सीन कटने की चिंता नहीं

मल्टीस्टार फिल्मों में सीन कट होने के डर पर राजपाल यादव का कहना है कि ये सब डायरेक्टर का इंटरप्रिटेशन होता है। एक अभिनेता को इस बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहिए कि उसका सीन रहेगा या कट जाएगा। फिल्म अपने आप में एक विज्ञान है और उसमें एडिटिंग के दौरान बहुत चीजें बदलती रहती हैं

मुझे जानने के लिए मुझे पढ़ना पढ़ेगा

अंत में अपनी बायोपिक के सवाल पर राजपाल मुस्कुरा दिए। बोले- 'राजपाल की बायोपिक बनने से पहले राजपाल को पढ़ना पड़ेगा। मेरी 40 साल की कहानी को दो मिनट में बताना आसान नहीं है।'

अपनी इमेज से खुश हूं

अपनी इमेज पर एक्टर ने कहा कि मैं अपनी बनी हुई इमेज से खुश हूं। मेरी कोशिश हमेशा यही रही है कि हर किरदार की मानसिकता नई हो। मैंने कभी भी अपने किरदारों को रिपीट नहीं किया। मुझे सिनेमा से प्यार है और मैं हर तरह की फिल्म में खुद को फिट करने की कोशिश करता हूं।

सिनेमा समय के साथ चलता है

सिनेमा में बदलाव और कॉमेडी फिल्मों पर अभिनेता ने कहा कि समय के साथ सिनेमा भी बदलता है। पहले कॉमेडी फिल्मों का दौर अलग था। अब सोशल मीडिया और न्यूज चैनल्स के दौर में चीजें बदल गई हैं। लेकिन सिनेमा हमेशा समय के साथ चलता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401